धनबाद, बुधवार
10 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 250
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की योजनाओं और कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक घर तक पाइपलाइन और नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इस लक्ष्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने पेयजल आपूर्ति योजनाओं के रख-रखाव और मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा से जुड़ी योजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संभावित पेयजल संकट वाले क्षेत्रों की विशेष निगरानी की जाए और जहां भी जलापूर्ति की समस्या

सामने आए, वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य की जल सहियाओं को समूहवार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्लंबर का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जल सहियाओं को खराब चापाकलों की मरम्मत, सौर ऊर्जा आधारित जलापूर्ति योजनाओं की देखरेख तथा रख-रखाव की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाली जल सहियाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष सम्मान और पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

हेमन्त सोरेन ने विभाग की निमार्णाधीन बड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रमुख परियोजनाओं से जुड़े ठेकेदारों का व्हाट्सएप समूह बनाया जाए, जिसमें प्रतिदिन कार्य प्रगति की जानकारी साझा की जाए। इससे योजनाओं की निगरानी बेहतर तरीके से हो सकेगी और कार्यों में तेजी आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की योजनाएं सीधे जनता के जीवन से जुड़ी हैं, इसलिए इन्हें धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारने के लिए ठोस और परिणामोन्मुखी प्रयास किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मजबूत कार्य ढांचा तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वित्तीय संतुलन बनाए रखने के लिए बैकअप प्लान विकसित किया जाए और योजनाओं के पूरा होने के बाद शीघ्र उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट) प्राप्त करने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने वाटर रिचार्ज के लिए सोक पिट और अन्य आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र तक भी शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी शहरी क्षेत्रों की तरह गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने राज्य में जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के संवर्द्धन को लेकर भी विशेष चिंता व्यक्त की और वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण तथा भू-जल स्तर बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया।मुख्यमंत्री ने भू-जल स्तर गिरने के कारण अनुपयोगी हो चुके चापाकलों के बोरिंग का उपयोग रिचार्ज पिट के रूप में करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे वर्षा जल का संचयन होगा और भू-जल स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस-के अलावा उन्होंने सोक पिट निर्माण के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा घरों और संस्थानों से निकलने वाले बेकार पानी के संचयन की व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

प्रधानमंत्री फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जायेंगे, एवियन में होने वाली जी7 शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13-19 जून के बीच फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान वे जी7 नेताओं और आमंत्रित भागीदार देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री फ्रांस में 13-14 जून (नीस) और 16-19 जून (एवियन और पेरिस) की आधिकारिक यात्रा करेंगे और बीच में 14-16 जून को स्लोवाकिया की यात्रा करेंगे। यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री 14 जून को नीस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों नेता भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे, जिन्हें इस वर्ष की शुरूआत में एक विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया गया था। नीस में दोनों नेता संयुक्त रूप से ह्यभारत इनोवेट्सह्ल कार्यक्रम का उद्घाटन भी करेंगे, जिसमें भारत, फ्रांस और अन्य देशों के शीर्ष नवाचार

स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड एक साथ आएंगे।

अपनी यात्रा के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री 14 से 16 जून तक स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा करेंगे। 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री उस देश की पहली यात्रा होगी। यह यात्रा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की अप्रैल 2025 में स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा और फरवरी 2026 में एआई इम्पैक्ट समिट के लिए स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी की भारत यात्रा के बाद हो रही है। इस यात्रा दौरान प्रधानमंत्री मोदी अपने समकक्ष रॉबर्ट फिको से बातचीत करेंगे और सहयोग के नए रास्ते तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पेलेग्रिनी से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय का कहना है कि यह यात्रा व्यापार, निवेश और ऑटोमोबाइल एवं रेलवे विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्लोवाकिया के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी।

इसके बाद प्रधानमंत्री 16-17 जून को फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री कई विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। जी7 शिखर सम्मेलन के सत्र ह्यनए साझेदारियों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्निर्माणह्ल, ह्यसभी के लिए संतुलित, साझा और सतत आर्थिक विकास को पुनर्जीवित करना और एआई का सुरक्षित, तीव्र और कुशल कार्यान्वयन सुनिश्चित करना विषयों पर केंद्रित होंगे।

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री 18 जून को पेरिस में द्विपक्षीय बैठकों के लिए और यूरोप के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप कार्यक्रम, विवाटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री के पेरिस में भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करने की भी संभावना है।

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री से कृषि विभाग के सचिव ने की मुलाकात, मेला के लिए किया आमंत्रित

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीक पी ने शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने आगामी 16 जून से 18 जून 2026 तक रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले ह्झारखंड कृषि व्यापार मेला-2026 के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया।

गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में ऐतिहासिक सुधार : नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु के लक्ष्य को लेकर शुरू किया गया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) मंगलवार को अपनी सफल यात्रा के 10 वर्ष पूरे कर गया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने देशभर में ह्यपीएमएसएमए के 10 साल - देखभाल का एक दशकह्ल अभियान की शुरूआत करते हुए 75 रुपये का स्मारक सिक्का और 5 रुपये का विशेष डाक टिकट जारी किया।इस मौके पर जे पी नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप शुरू हुई यह पहल देश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हुई है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 1990 के बाद से मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत 48 प्रतिशत से कहीं बेहतर है। वहीं पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 79 प्रतिशत और नवजात मृत्यु दर में 70 प्रतिशत की कमी आई है।

प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि ने लैंड पोर्ट्स का महत्व स्थापित किया : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारत के लैंड पोर्ट्स के संचालन को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विकसित डिजिटल मंच लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (विनिमय) का उद्घाटन किया। यह प्रणाली सीमा शुल्क, आव्रजन, सीमा सुरक्षा बल और अन्य संबंधित पक्षों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगी।

इस अवसर पर शाह ने कहा कि लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी की संकल्पना 2014 से पहले एक रिपोर्ट की सिफारिशों से सामने आई थी। वर्ष 2012 से 2014 के बीच इसे आकार दिया गया और दो लैंड पोर्ट भी शुरू किए गए।

राज्यस्तरीय कृषि मेले का आयोजन आगामी 16 से 18 जून तक : शिल्पी तिर्की

रांची, (एजेंसी) : झारखंड में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के उद्देश्य से आगामी 16 से 18 जून तक पहली बार राज्यस्तरीय कृषि मेले का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय इस मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मंगलवार को मेले की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेले में निवेश और कृषि उद्यमिता को भी बढ़ावा दिया जाएगा। आम लोगों को जोड़ने के लिए प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। विभाग को उम्मीद है कि यह आयोजन कृषि निवेश, उत्पादन वृद्धि और युवाओं की कृषि क्षेत्र में भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा।

बैठक में मंत्री ने कहा कि यह आयोजन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत फसल प्रबंधन और सरकारी योजनाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि मेले में आने वाले प्रत्येक किसान को नई तकनीकों और नवाचारों की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। किसान सीधे विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही अत्याधुनिक कृषि उपकरणों, उन्नत कृषि पद्धतियों और कृषि आधारित उद्यमिता से जुड़े मॉडलों का प्रदर्शन किया जाएगा। मेले में देशभर के 50 से अधिक कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग लेंगे।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

रांची, (एजेंसी) : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर कोकर, रांची स्थित उनके समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने बिरसा चौक, रांची स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कोटि-कोटि नमन करते हुए भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया।

इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, संघर्ष एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने जनजातीय समाज के स्वाभिमान, सामाजिक जागरूकता तथा राष्ट्रीय चेतना को नई दिशा प्रदान की। उनके आदर्श एवं विचार आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि है। लगभग सवा सौ साल के लम्बे वक़्त में भी आज पूरे देश में आदिवासी समुदाय सहित हर वर्ग के बीच उनको याद किया जा रहा है। निश्चित रूप से ऐसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व को सम्मान के साथ याद किया जाना बहुत ही महत्वपूर्ण बात है।मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, आदर्श एवं दिखाए रास्ते हमें सदैव प्रेरित करेंगे। उन्होंने जो इतिहास रचा है उसे लोग सदियों तक याद रखेंगे। आज भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि है, हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हम सभी लोग उन्हें स्मरण कर उनकी समाधि स्थल पर शीश झुकाने आए हैं, आगे भी आते रहेंगे। इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन, मेयर रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार सहित कई अन्य लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

भारत ने पहली दफा 12 एटमी हथियार किए तैनात

परमाणु हथियारों की संख्या हुई 190, एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में खुलासा

पाकिस्तान के मुकाबले भारत के पास 20 अधिक परमाणु हथियार

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत ने पहली बार अपने 12 परमाणु हथियारों को सक्रिय रूप से तैनात किया है। साथ ही देश का कुल परमाणु हथियार भंडार बढ़कर 190 हो गया है। यह जानकारी स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की ताजा इयरबुक 2026 रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत के परमाणु हथियारों की संख्या पिछले दो वर्षों में 180 से बढ़कर 190 हो गई है, जो पड़ोसी पाकिस्तान के अनुमानित 170 परमाणु हथियारों से 20 अधिक है।

एसआईपीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में भारत ने कोई भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, जबकि 2026 में पहली बार 12 परमाणु हथियारों की तैनाती दर्ज की गई है। हालांकि भारत की परमाणु नीति और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सरकार आधिकारिक तौर पर अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता या तैनाती संबंधी जानकारी सार्वजनिक नहीं करती। ऐसे में एसआईपीआरआई और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं उपलब्ध आंकड़ों और आकलनों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करती हैं।

पाकिस्तान का भंडार स्थिर

ताजा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की संख्या में हाल के वर्षों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है और उसका भंडार लगभग 170 हथियारों पर स्थिर बना हुआ है। हालांकि पाकिस्तान के कितने हथियार सक्रिय रूप से तैनात हैं, इसकी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है।

दुनिया में परमाणु हथियारों की प्रतिस्पर्धा बढ़ी

एसआईपीआरआई इयरबुक 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु हथियार प्रतिस्पर्धा के दौर में प्रवेश कर रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत और पाकिस्तान सहित सभी परमाणु संपन्न देश अपने परमाणु शस्त्रागार और डिलीवरी सिस्टम को आधुनिक बनाने में जुटे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2026 की शुरूआत में दुनिया के नौ परमाणु संपन्न देशों–अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल–के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार मौजूद थे। इनमें से लगभग 9,745 परमाणु हथियार सैन्य भंडार में रखे गए हैं और आवश्यकता पड़ने पर उपयोग के लिए तैयार माने जाते हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती सैन्य प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनाव भविष्य में परमाणु हथियारों की होड़ को और तेज कर सकते हैं।

जयपुर : पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग, बच्चे समेत सात की मौत

गोदाम सील, संचालक और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की तैयारी

जयपुर, (एजेंसी) : राजधानी के खोह नागोरियान थाना क्षेत्र के आयशा नगर तलाई स्थित आईटीआई कॉलेज के पास मंगलवार सुबह अवैध रूप से संचालित पटाखों के गोदाम में भीषण आग लगने से बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य चलाकर आग पर काबू पाया। घटना के बाद गोदाम को सील कर दिया गया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस और प्रशासन के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 11 बजे गोदाम में अचानक आग भड़क उठी। गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखे और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। कई धमाकों के बीच अंदर मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस अग्निकांड में रामगंज निवासी अब्दुल वाहिद (50), रहीम नगर निवासी बिलाल खान (30), समीर (20), आजीम खान उर्फ आविद, राबिल पुत्र सिकंदर कुरैशी सहित सात लोगों की मौत हो गई। दो मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। नासिर पुत्र मोहम्मद अली गंभीर रूप से झुलस गया और उसका एसएमएस अस्पताल के बर्न वार्ड में उपचार चल रहा है।एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. आर.के. जैन ने बताया कि अस्पताल में छह मरीज लाए गए थे। इनमें दो की मौत हो गई, जबकि चार का उपचार किया गया। नासिर 95 प्रतिशत तक झुलसा हुआ है। समीर भी 95 प्रतिशत, बिलाल 75 प्रतिशत और आदिब 65 प्रतिशत तक झुलसे थे। बाद में समीर और अन्य घायलों में से कई ने दम तोड़ दिया।खोह नागोरियान थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि मकान याकूब नामक व्यक्ति का है। उसने यह भवन दिल्ली निवासी फिरोज को किराये पर दिया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फिरोज अपने सहयोगी वसीम के साथ मिलकर यहां अवैध रूप से पटाखों का गोदाम और निर्माण गतिविधियां संचालित कर रहा था।

पुलिस ने परिसर को सील कर दिया है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह पटाखों का गोदाम प्रतीत होता है, जबकि फैक्ट्री कहीं और संचालित होने की जानकारी मिली है। विस्तृत जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा कि रिहायशी इलाके में अवैध रूप से गोदाम संचालित किया जा रहा था।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्या मामले में आरोपी राम मोहन सिंह मुंडा को झारखंड हाईकोर्ट से मिली जमानत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः झारखंड हाई कोर्ट ने पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्या मामले में आरोपी राम मोहन सिंह मुंडा की ओर से दायर क्रिमिनल याचिका के तहत जमानत पर सुनवाई की। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षतावाली खंडपीठ ने प्रार्थी और एनआइए का पक्ष सुना।मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद खंडपीठ ने प्रार्थी को जमानत दी।इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ने खंडपीठ को बताया कि वह अब सरकारी गवाह बन गया है और उसकी गवाही भी हो चुकी है. मामले में ट्रायल चल रहा है।यह मामला बुंडू थाना कांड संख्या 65/2008 से संबंधित है। 9 जुलाई 2008 को तमाड़ के तत्कालीन विधायक और पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा की नक्सलियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी।इस घटना को लेकर बुंडू थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।इस हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए मामले की कमान राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को सौंपी गई थी।एनआइए ने इस पूरी साजिश की जांच की और कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इसी क्रम में 8 जुलाई 2016 को आरोपी राम मोहन सिंह मुंडा को गिरफ्तार किया गया था।मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब एनआइए ने 23 नवंबर 2017 को राम मोहन सिंह मुंडा को एप्रूवर यानी सरकारी गवाह बना दिया। इसके बाद आरोपी ने मामले से जुड़े कई रहस्यों पर अपना बयान भी दर्ज कराया था।

नयानगर में जन चौपाल का आयोजन, ग्रामीणों को किया गया जागरूक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : महागामा थाना क्षेत्र अंतर्गत नयानगर गांव में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक के नेतृत्व में जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुना गया तथा उनके समाधान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।जन चौपाल में ग्रामीणों को डायल 112, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस पदाधिकारियों ने लोगों को साइबर ठगी से बचाव, आपातकालीन परिस्थितियों में डायल 112 के उपयोग तथा महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों और अधिकारों के प्रति जागरूक किया।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए इस प्रकार के जन चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।मौके पर महागामा प्रभाग के इंस्पेक्टर उपेन्द्र महतो, महागामा थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

भगवान बिरसा मुण्डा की पुण्यतिथि पर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया माल्यार्पण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगाः भगवान बिरसा मुण्डा की पुण्यतिथि के अवसर पर आज मंगलवार को लोहरदगा में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार मीना एवं पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी सहित जिले के अन्य पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।पदाधिकारियों ने जिले में शंख नदी के समीप स्थित तथा पुराना समाहरणालय परिसर में स्थापित भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया। कहा कि उनका जीवन आज भी समाज को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, परियोजना निदेशक आइटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

स्वस्थ होकर लौटीं एसकेएमयू की कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर, पुनः संभाला पदभार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमकाः सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय (एसकेएमयू) की कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर स्वास्थ्य लाभ के बाद वापस लौट आई हैं। मंगलवार को उन्होंने पुनः कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों का संचालन फिर से उनके नेतृत्व में शुरू हो गया है।जानकारी के अनुसार, प्रो. कुनुल कंदीर फरवरी माह से हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में उपचाररत थीं।स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद वे पूरी तरह स्वस्थ होकर विश्वविद्यालय लौटी हैं। मंगलवार से उन्होंने अपने प्रशासनिक एवं शैक्षणिक दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ कर दिया है।प्रो. कुनुल कंदीर की अनुपस्थिति के दौरान राजभवन सचिवालय ने बीबीएमकेयू के कुलपति प्रो राम कुमार सिंह को एसकेएमयू के कुलपति पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा था। उन्होंने लगभग चार माह तक विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों का संचालन किया।प्रो. कुनुल कंदीर के पुनः कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही विश्वविद्यालय की कमान फिर उनके हाथों में आ गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस संबंध में राजभवन को भी विधिवत सूचना प्रेषित कर दी है।विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ दीपक कुमार दास ने बताया कि कुलपति के लौटने से विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक और विकासात्मक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। उनके वापस लौटने पर विश्वविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

पतरातू यार्ड में रेल दुर्घटना से निपटने की मॉक ड्रिल, आपदा प्रबंधन एवं राहत-बचाव व्यवस्था का हुआ परीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रेल दुर्घटनाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं त्वरित बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को धनबाद मंडल के पतरातू यार्ड में व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।यह मॉक ड्रिल वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त, धनबाद के निदेर्शानुसार निरीक्षक प्रभारी पतरातू के नेतृत्व में आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेल दुर्घटना जैसी आपात परिस्थितियों में विभिन्न विभागों की तैयारियों, समन्वय क्षमता तथा राहत-बचाव कार्यों की दक्षता का आकलन करना था।मॉक ड्रिल के दौरान पतरातू यार्ड में खड़ी स्टेबल रेक को दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन के रूप में चिन्हित किया गया। जैसे ही दुर्घटना की काल्पनिक सूचना प्रसारित की गई, रेलवे सुरक्षा बल, इंजीनियरिंग विभाग और चिकित्सा विभाग की टीमों ने तत्काल सक्रिय होकर घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू

कर दिया।अभ्यास के दौरान यह प्रदर्शित किया गया कि दुर्घटना की स्थिति में यात्रियों को किस प्रकार सुरक्षित बाहर निकाला जाए, घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए घेराबंदी कैसे की जाए तथा यात्रियों के सामान की सुरक्षा किस प्रकार सुनिश्चित की जाए।ड्रिल में घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने, गंभीर रूप से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने तथा अस्पताल ले जाने से पूर्व आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने का भी विस्तृत अभ्यास किया गया। चिकित्सा दल द्वारा मौके पर ही अस्पताल पूर्व चिकित्सा की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।इसके अलावा बचाव दलों के बीच आपसी समन्वय, सूचना संप्रेषण प्रणाली और आपातकालीन संसाधनों के उपयोग की भी जांच की गई।अधिकारियों ने बताया कि किसी भी रेल दुर्घटना के दौरान शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे में सभी संबंधित विभागों का प्रशिक्षित और सतर्क रहना आवश्यक है।मॉक ड्रिल के माध्यम से कर्मचारियों को आपदा की स्थिति में त्वरित निर्णय लेने और प्रभावी ढंग से राहत कार्य संचालित करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है।इस मॉक ड्रिल में आरपीएफ निरीक्षक अजय कुमार सिंह, उप निरीक्षक सोनू कुमार, उप निरीक्षक प्रवीण कुमार सहित आरपीएफ के जवानों ने सक्रिय भूमिका निभाई।वहीं वरीय अनुभाग अभियंता (रेल पथ) शशि कुमार अपने विभागीय कर्मचारियों के साथ उपस्थित थे।चिकित्सा विभाग की ओर से डॉ अभिषेक कुमार एवं उनकी टीम ने घायलों के उपचार और चिकित्सकीय सहायता संबंधी प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया।इसके अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लेकर आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखा।कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने मॉक ड्रिल की समीक्षा करते हुए इसे सफल बताया तथा कहा कि इस प्रकार के नियमित अभ्यास से रेल यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होती है।साथ ही किसी भी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को तेजी और प्रभावी ढंग से संचालित करने में मदद मिलती है। रेल प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे अभ्यास नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही, ताकि सभी विभाग किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

फर्जी कस्टमर केयर बनकर ठगी करने वाले तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : एसपी प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत देवघर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी कस्टमर केयर प्रतिनिधि और एयरटेल पेमेंट बैंक अधिकारी बनकर लोगों से ऑनलाइन ठगी करने वाले तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपित फ्लिपकार्ट, अमेजन, फोनपे कस्टमर केयर, पीएम किसान योजना तथा लोन दिलाने के नाम पर लोगों को झांसे में लेकर साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम देते थे।पुलिस ने उनके पास से तीन मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड और दो प्रतिबिंब सिम बरामद किये हैं। साइबर डीएसपी कैलाश प्रसाद महतो के मार्गदर्शन में 8 जून को यह कार्रवाई की गयी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि देवघर जिले के कुछ संदिग्ध साइबर अपराधी फर्जी तरीके से फ्लिपकार्ट और अमेजन के कस्टमर केयर प्रतिनिधि, एयरटेल पेमेंट बैंक के पदाधिकारी तथा गूगल पर फोनपे कस्टमर केयर के नाम का इस्तेमाल कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। सूचना के अनुसार अपराधी सहायता प्रदान करने का झांसा देकर

लोगों से बैंकिंग और अन्य गोपनीय जानकारियां हासिल करते थे।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपित पीएम किसान योजना और लोन दिलाने के नाम पर फर्जी मोबाइल नंबरों का उपयोग कर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में कुंडा थाना क्षेत्र के गौरीपुर निवासी चिकु कुमार मंडल, जलाथर गया निवासी छोटू कुमार महतो तथा करौं थाना क्षेत्र के दुबरा गांव निवासी कुन्दन कुमार शामिल हैं।पुलिस के अनुसार आरोपित फर्जी एयरटेल पेमेंट बैंक पदाधिकारी बनकर उपभोक्ताओं को फोन करते थे।वे एयरटेल थैंक्स ऐप के माध्यम से कार्ड बंद होने अथवा बंद कराने की बात कहकर लोगों को भ्रमित करते थे और कार्ड पुनः चालू कराने के नाम पर ठगी करते थे। इस संबंध में साइबर थाना में कांड संख्या 87/26 दर्ज कर तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में मंडल कारा भेज दिया गया।छापेमारी टीम में साइबर थाना के एसआई संतोष कुमार मंडल, कुंडा थाना प्रभारी प्रशांत कुमार व सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निर्धारित गति सीमा पर गाडी चलाएं : डीटीओ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग जिले में परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार चौधरी ने लोगों से अपील की है कि निर्धारित गति सीमा पर ही गाड़ी चलाकर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश बाद डीटीओ जिले भर के संभावित दुर्घटना क्षेत्र/जोन/ब्लैक स्पॉट को सूचीबद्ध कर रहे हैं। उन्होंने कहा इन क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के तमाम बेहतर उपाय पर कार्य शुरू है।इसी कड़ी में मंगलवार को सड़क सुरक्षा टीम ने ब्लैक स्पॉट व कई दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरिक्षण में पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) व मोटरयान निरीक्षक (एमवीआई) सहित सड़क सुरक्षा समिति से जुड़े टीम के सदस्य मौजूद थे।डीटीओ ने कहा की एनएचआई जिले भर के संभावित दुर्घटना क्षेत्र/जोन/ब्लैक स्पॉट में जागरूकता साइन बोर्ड एवं रंबल स्ट्रिप लगाएगा। पेट्रोल पंप संचालक अपने-अपने जगहों पर सुरक्षा से जुड़े उपायों पर कार्य करेंगे।निरीक्षण के क्रम अधिकारी रांची पटना रोड़ के मासीपिढ़ी चौक, डेमोटांड, मोरंगी जैसे क्षेत्रों में दुर्घटनाओं का कारण ओवर स्पीड बताया है।इस पर मोरंगी के आसपास पेट्रोल पंप संचालकों को विशेष निर्देश दिया गया है कि वे सभी 24 घंटे अपने स्तर से एप्रोच रोड पर हर हाल में सड़क सुरक्षा से जुड़ी सावधानी का ख्याल रखेंगे।

नारायणपुर में पारंपरिक विधि-विधान से संपन्न हुई वार्षिक बूना पूजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : खरसावां प्रखंड के नारायणपुर गांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ वार्षिक बूना पूजा का आयोजन किया गया। ग्राम दिऊरी माझी माटी सोय व प्रधान माटी सोय ने विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की। इस अवसर पर ग्रामीणों ने अच्छी वर्षा, बेहतर फसल, पशुधन में वृद्धि, सुख-समृद्धि तथा गांव को रोगमुक्त रखने की कामना की. ग्रामीणों ने बताया कि बूना पूजा गांव की प्राचीन परंपरा है, जिसका आयोजन सामूहिक सहयोग से किया जाता है।मान्यता के अनुसार इस पूजा के पश्चात ही जानुमबेड़ा, नारायणपुर, बांदूबेडा, कुचाई व टिंडींगटीपा मौजा के किसान कृषि कार्य की शुरूआत करते है।इस दौरान ग्राम देवता, धराम देवता, मां पाउड़ी तथा बन कुमारी मां की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों का कहना है कि बूना पूजा से गांव में सुख-शांति और आपसी सौहार्द बना रहता है तथा खेती और पशुपालन से जुड़े कार्यों में समृद्धि आती है। आयोजन को सफल बनाने में पंकज साहू, मोतीलाल साहू, तुराम माटीसोय, बिरो गोप, सुनिया माटीसोय, देवीलाल बोदरा, अभिमन्यू माटीसोय, देवेन माटीसोय, बसू साहू, भरत साहू समेत जानुमबेड़ा, नारायणपुर, बांदूबेडा, कुचाई, टिंडींगटीपा मौजा के करीब 105 परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

राज्यसभा चुनाव: नामांकन से पहले विधानसभा अध्यक्ष से मिले बैद्यनाथ और प्रणव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : राज्यसभा चुनाव को लेकर नामांकन से पूर्व झारखंड विधानसभा परिसर में विधानसभाध्यक्ष सह नाला विधायक रवींद्रनाथ महतो से महागठबंधन के प्रत्याशी बैद्यनाथ राम एवं प्रणव झा ने मुलाकात की। विधानसभाध्यक्ष से सीएम हेमंत सोरेन ने भी शिष्टाचार भेंट की। स्पीकर ने दोनों प्रत्याशियों का स्वागत करते हुए उन्हें राज्यसभा चुनाव में जीत की शुभकामनाएं दीं और उनकी सफलता की कामना की। इस मौके पर विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राज्यसभा की अहम भूमिका है और झारखंड के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से रखने के लिए अनुभवी एवं जनसरोकारों से जुड़े प्रतिनिधियों का उच्च सदन में पहुंचना आवश्यक है।

उन्होंने विश्वास जताया कि बैद्यनाथ राम एवं प्रणव झा राज्य की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए झारखंड के हितों की सशक्त आवाज बनेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों प्रत्याशियों का सार्वजनिक जीवन समाज और जनहित के कार्यों से जुड़ा रहा है। उनके अनुभव कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पण का लाभ राज्य को मिलेगा। विधानसभाअध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि वे संसद में झारखंड के विकास, सामाजिक न्याय और जनकल्याण से जुड़े विषयों को मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे।

इंस्टाग्राम पर आखिरी मैसेज लिखकर थमी सांसें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : झारखंड के रामगढ़ जिले के भदानीनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत देवरिया गांव में मंगलवार सुबह एक युवक का शव महुआ के पेड़ से फंदे पर लटकता मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी रवि मुंडा के पुत्र विशाल मुंडा के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर इसे संदेहास्पद मौत के रूप में दर्ज किया है और मामले की सघन तफ्तीश शुरू कर दी है। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक, विशाल सोमवार की बीती रात करीब 10 बजे किसी काम से अपने घर से निकला था, लेकिन जब वह देर रात तक वापस नहीं लौटा तो चिंतित परिवार वालों ने उसकी खोजबीन शुरू की थी, जिसके बाद सुबह उसकी लाश मिलने की खबर आई।पुलिस के प्रारंभिक तकनीकी अनुसंधान और छानबीन में एक बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि विशाल रात के करीब 12 बजे तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर किसी युवती से लगातार चैट कर रहा था। उस बातचीत के दौरान विशाल का आखिरी संदेश (लास्ट मैसेज) था, अपना ख्याल रखना, मेरे जैसा कोई नहीं मिलेगा। इसके ठीक बाद यह आत्मघाती कदम उठाया गया या कोई अन्य वारदात हुई, पुलिस इसकी कड़ियों को जोड़ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि घटनास्थल के ठीक पास से पुलिस को मृतक का मोबाइल फोन और एक खून लगा हुआ चाकू भी बरामद हुआ है, जिसने इस पूरे मामले को और अधिक रहस्यमयी बना दिया है।

रांची-लोहरदगा ट्रेन में चला मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान, यात्रियों में मचा हड़कंप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : रेलवे प्रशासन द्वारा रांची-लोहरदगा रेलखंड पर मंगलवार को मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रांची लोहरदगा एवं सासाराम रांची ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों के टिकटों की गहन जांच की गई। अचानक हुई जांच से बिना टिकट और अनियमित टिकट लेकर यात्रा कर रहे यात्रियों में हड़कंप मच गया।जांच दल ने ट्रेन के विभिन्न कोचों में पहुंचकर यात्रियों के टिकटों का सत्यापन किया। इस दौरान कई यात्रियों को बिना टिकट अथवा गलत टिकट पर यात्रा करते हुए पकड़ा गया, जिनसे रेलवे नियमों के तहत जुमार्ना वसूला गया। अधिकारियों ने यात्रियों को वैध टिकट लेकर ही यात्रा करने की सलाह दी।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि राजस्व बढ़ाने, बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाने तथा यात्रियों में नियमों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के विशेष जांच अभियान चलाए जाते हैं। अभियान के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और वाणिज्य विभाग के कर्मी भी मौजूद रहे।मजिस्ट्रेट चेकिंग के कारण कुछ समय के लिए यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि जांच प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। रेलवे प्रशासन ने कहा कि आगे भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

दिलशाद अंसारी हत्याकांड में चार से अधिक लोगों की संलिप्तता की आशंका, अल्पसंख्यक आयोग ने पुलिस से गहन जांच और 10 दिनों में रिपोर्ट मांगी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : स्व. मो. दिलशाद अंसारी हत्याकांड की जांच को लेकर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने गंभीर रुख अपनाया है। आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान (मंत्री दर्जा) ने आशंका जताई है कि इस हत्याकांड में चार से अधिक लोगों की संलिप्तता हो सकती है। उन्होंने पुलिस को मामले की गहराई से जांच कर पूरे षड्यंत्र का खुलासा करने, सभी आरोपियों की पहचान करने तथा 10 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।मंगलवार को झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, सदस्य बरकत अली और सदस्य रंजीत मल्लिक की तीन सदस्यीय टीम धनबाद पहुंची।टीम ने सबसे पहले बोरागढ़ ओपी क्षेत्र जाकर स्व. मो. दिलशाद अंसारी के परिजनों से मुलाकात की।आयोग के प्रतिनिधियों ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।परिजनों से मुलाकात के बाद आयोग की टीम ने स्थानीय लोगों से भी बातचीत की और हत्याकांड से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी जुटाई।टीम ने लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और घटना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की ताकि मामले की वास्तविक स्थिति को समझा जा सके।

इसके बाद आयोग की टीम सर्किट हाउस पहुंची, जहां सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव और अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारेगे ने उनका स्वागत किया।यहां आयोग के सदस्यों ने दोनों अधिकारियों के साथ हत्याकांड की जांच की प्रगति, अब तक हुई कार्रवाई और आगे की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की।पत्रकार वार्ता में आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने बताया कि घटना के बाद आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए 2 जून को धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी थी।इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग की तीन सदस्यीय टीम को विशेष रूप से धनबाद भेजा गया ताकि घटनास्थल और पीड़ित परिवार से सीधे जानकारी प्राप्त की जा सके।अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने कहा कि जिस प्रकार से दिलशाद अंसारी की हत्या को अंजाम दिया गया है, उससे प्रतीत होता है कि इसमें केवल दो या तीन नहीं बल्कि चार से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पुलिस को गिरफ्तार महिला और युवक को रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ करने तथा पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़कर जांच आगे बढ़ाने का सुझाव दिया।आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला केवल प्रेम प्रसंग का प्रतीत नहीं होता। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह का सामने आना बेहद जरूरी है।जब तक हत्या के मुख्य कारण का खुलासा नहीं होगा, तब तक इस अपराध में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी सामने नहीं आ सकेगी।

हाईकोर्ट के आदेश से झमाडा आश्रितों में खुशी, अनुकंपा नियुक्ति का रास्ता साफ,39 आश्रितों को तीन माह के भीतर बहाली का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झरिया और धनबाद क्षेत्र में कार्यरत झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकरण यानी झमाडा के दिवंगत कर्मियों के आश्रितों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अनुकंपा नियुक्ति की उम्मीद एक बार फिर से जगी है। झमाडा में कार्यरत कर्मचारियों की मृत्यु के बाद करीब 180 आश्रित पिछले चार वर्षों से अनुकंपा के आधार पर नौकरी की मांग को लेकर लगातार आंदोलन और धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि राज्य सरकार के निदेर्शों के बावजूद नियुक्ति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई गई। इसके बाद आश्रितों ने न्यायालय की शरण ली। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने 39 आश्रितों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए झमाडा प्रबंधन को उनकी योग्यता के आधार पर अगले तीन माह के भीतर अनुकंपा नियुक्ति देने का आदेश दिया है।कोर्ट के आदेश के बाद आश्रितों में खुशी का माहौल है। इसी क्रम में आश्रितों ने झमाडा के प्रबंध निदेशक से मुलाकात कर न्यायालय के आदेश की प्रति सौंपी और जल्द बहाली की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की।हाईकोर्ट के आदेश से वर्षों से न्याय और रोजगार की आस लगाए बैठे आश्रितों को बड़ी राहत मिली है। अब सभी की निगाहें झमाडा प्रबंधन पर टिकी हैं कि न्यायालय के निदेर्शों का पालन करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया कितनी जल्द पूरी की जाती है। आश्रितों का कहना है कि यह केवल नौकरी का मामला नहीं, बल्कि उनके परिवारों के जीवनयापन और भविष्य से जुड़ा मुद्दा है।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर राज सिन्हा ने अर्पित की श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद :स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, जननायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर विधायक राज सिन्हा ने मंगलवार को बैंक मोड़ स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के अधिकारों, स्वाभिमान तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका अद्वितीय संघर्ष, त्याग, राष्ट्रभक्ति एवं सामाजिक चेतना आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा जी के आदर्श और विचार समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं सम्मान पहुंचाने की प्रेरणा देते हैं। राज सिन्हा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी का जीवन हमें अपनी संस्कृति, परंपरा और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहने का संदेश देता है। राष्ट्र और समाज के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बना रहेगा। इस अवसर पर संजय नन्द गोस्वामी, रवि झाम, प्रदीप विश्वकर्मा, धर्मेंद्र सोनकर, अर्जुन शर्मा, मनोज मालाकार सहित अनेक गणमान्य नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे तथा भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

न्यूनतम दर पर मिलेगी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं: डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः : सदर अस्पताल में मंगलवार को एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, डेंटल एक्स-रे व आधुनिक लॉन्ड्री मशीन का उद्घाटन किया गया। डीसी आदित्य रंजन ने उद्घाटन किया। उद्घाटन करने के बाद डीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री का सपना है कि राज्य के हर व्यक्ति को निःशुल्क या न्यूनतम दर पर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा मिले। इस कड़ी में बंधन बैंक ने सीएसआर से सदर अस्पताल को एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, डेंटल एक्स-रे व आधुनिक लॉन्ड्री मशीन दी हैं। यहां आने वाले आमजन को न्यूनतम दर पर उत्कृष्ट सेवा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में हर व्यवस्था सुदृढ़ हो जाने से एक ही छत के नीचे 24७7 लोगों का इलाज संभव हो सकेगा। डीसी ने कहा कि सदर अस्पताल ने एक वर्ष में अप्रत्याशित उपलब्धि हासिल की है। प्रतिदिन 600 से 700 लोग ओपीडी में आते हैं। अस्पताल में आधुनिक उपकरणों एवं

चिकित्सकों की बेहतरीन टीम के कारण जटिल से जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुए हैं। इस अस्पताल में गरीब लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ भी मिलता है। इसके कारण धनबाद जिले के अलावा पड़ोसी जिले से भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं।सदर अस्पताल को जल्दी एमआरआई, सीटी स्कैन, मॉड्यूलर आईसीयू, मॉड्यूलर किचन, ओटी के अलावा अन्य सारी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। आने वाले समय में यह धनबाद का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल बनाकर उभरेगा। उन्होंने बताया कि अस्पताल के विस्तारीकरण की दिशा में कई कदम उठाए जा रहे हैं। जिसके तहत अतिरिक्त फ्लोर का निर्माण, विशाल कार व बाइक पार्किंग, आगंतुको के बैठने के लिए शेड सहित अन्य योजना शामिल है। कहा यह वर्ष धनबाद की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए स्वर्णिम समय होगा। इस मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, बंधन बैंक के सहायक उपाध्यक्ष श्री अनिमेष मिश्रा, डॉ मिहिर झा के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

मतदान केंद्र में अनुपस्थित रहने के कारण दो बीएलओ को कारण बताओ नोटिस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शों की अवहेलना करने एवं मतदान केंद्र पर अनुपस्थित रहने के कारण दो बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ को अपने दैनिक कार्य के अतिरिक्त प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक मतदाताओं की सुगमता हेतु अपनेअ पने संबंधित मतदान केन्द्रों पर रहकर मैपिंग का कार्य सम्पादित करने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके झरिया विधानसभा के बूथ संख्या-199 की बीएलओ (आंगनबाड़ी सेविका) खुशबू कुमारी तथा झरिया विधानसभा के बूथ संख्या-200 की बीएलओ (सहिया) भारती देवी आज मतदान केंद्र पर उपस्थित नहीं थीं। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि आज जब हेल्प डेस्क मैनेजर, धनबाद ने दोनों बीएलओ को फोन पर सम्पर्क किया तब दोनों अपने-अपने मतदान केन्द्र पर अनुपस्थित पाई गई। उन्होंने कहा कि उनकी अनुपस्थिति विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति उनकी लापरवाही, उदासीनता तथा आदेश की अवहेलना को दशार्ता है। जबकि 2 जून 2026 को सभी बीएलओ को अपने दैनिक कार्य के अतिरिक्त प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक मतदाताओं की सुगमता हेतु अपने-अपने संबंधित मतदान केन्द्रों पर रहकर मैपिंग का कार्य सम्पादित करने का निर्देश दिया गया था। दोनों बीएलओ को 24 घटें के अन्दर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है कि क्यों नहीं उनके विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई करते हुए उनको उनके मूल पद से कार्य मुक्त कर दिया जाय। साथ में उक्त लापरवाही के आलोक में उनको मिलने वाले मासिक मानदेय को अगले आदेश तक स्थगित किया गया है।

भगवान बिरसा मुंडा देश की संस्कृति के संरक्षक थे: डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भगवान बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि पर जिला प्रशासन पर ने उन्हें याद किया। बैंक मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर डीसी आदित्य रंजन के नेतृत्व में धरती आबा को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारेगे सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद डीसी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा देश की संस्कृति के संरक्षक थे। जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने के लिए लोगों को प्रेरित किया और उनके कर्म और धर्म को समझाया। साथ ही ज्ञान का उजियारा भी फैलाया। उन्होंने पारंपरिक भूमि अधिकारों, सांस्कृतिक, धार्मिक आस्थाओं के संरक्षण के लिए अंग्रेजी शासन के खिलाफ अदम्य संघर्ष किया। मौके पर शहीद बिरसा मुंडा स्मारक स्मृति संचालन समिति के संयोजक महादेव हांसदा, नारायण महतो, अवध पासवान, किशोर मुर्मू, राम बाबू कुमार, जितेंद्र कुमार पासवान, रति उरांव, सुनील कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

डीसी ने सुनी जनता की फरियाद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार का आयोजन किया गया। डीसी ने आमजन की फरियाद सुनी। समस्याओं की जानकारी ली और इसके समाधान का आश्वासन दिया। जनता दरबार में निरसा, भेलाटांड, टुंडी, तेतुलमारी, झरिया, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, पुटकी, तोपचांची, बलियापुर, राजगंज, बाघमारा एवं सिंदरी सहित विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों ने अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। जनता दरबार में मुआवजा भुगतान, नियोजन, बाउंड्री वॉल तोड़ने, धमकी देने, सड़क एवं नाली निर्माण, होमगार्ड बहाली, जमीन म्यूटेशन, प्रधानमंत्री आवास एवं अबुआ आवास योजना का लाभ देने की मांग की गई। विस्थापन, मारपीट, बकाया वेतन भुगतान, आवास पर जबरन कब्जा, जमीन विवाद, मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति तथा आवासीय प्रमाण पत्र, आर्म्स लाइसेंस, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार समेत विभिन्न मामलों की सुनवाई की गई। डीसी ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक जांच कर निर्धारित समय सीमा के भीतर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है तथा प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की नियमित समीक्षा की जाएगी।

धनबादः 35 हाथियों के झुंड ने तोड़े ग्रामीणों के मकान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड के धनबाद जिले के टुंडी प्रखंड में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले करीब 15 दिनों से टुंडी पहाड़ क्षेत्र में लगभग 35 हाथियों का एक बड़ा झुंड डेरा डाले हुए है। भोजन और पानी की तलाश में यह झुंड लगातार आबादी वाले इलाकों की ओर रुख कर रहा है, जिससे आसपास के दर्जनों गांवों में भारी दहशत और भय का माहौल बना हुआ है। हाथियों की इस लगातार आवाजाही से स्थानीय ग्रामीणों की खेती-बाड़ी और दैनिक जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थिति यह है कि ग्रामीण रात होते ही बेहद सतर्क हो जाते हैं और डर के मारे घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। वन विभाग की लगातार निगरानी के बावजूद यह झुंड बार-बार रिहायशी इलाकों में दाखिल हो रहा है।इसी कड़ी में देर रात हाथियों का यह विशाल झुंड टुंडी पहाड़ से नीचे उतरकर अचानक पर्वतपुर और बसहा गांव में घुस गया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हाथियों की चिंघाड़ और पेड़ों के टूटने की तेज आवाज सुनकर ग्रामीण घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। इस दौरान कई बेघर हुए परिवारों को पूरी रात खुले आसमान के नीचे या दूसरे सुरक्षित ठिकानों पर काटने के लिए मजबूर होना पड़ा। ग्रामीणों के मुताबिक, हाथियों का झुंड काफी देर तक गांव में तांडव मचाता रहा।

इस हमले में पर्वतपुर गांव के रहने वाले महालाल किस्कू और सुनील हेंब्रम के मिट्टी के घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि घटना के समय घर के अंदर मौजूद दोनों परिवार समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। बड़े हाथियों ने जहां घरों की दीवारें और पूरा ढांचा ढहा दिया, वहीं शावकों (छोटे हाथियों) ने घरों के मलबे में घुसकर वहां रखा धान, गेहूं और चावल चट कर दिया। इस तबाही के बाद प्रभावित परिवारों के सामने अब रहने और खाने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की मशालची टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मशाल, ढोल-नगाड़ों व पटाखों की मदद से हाथियों के झुंड को गांव से दूर नवतार पहाड़ की ओर खदेड़ दिया। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर ग्रामीणों को रात के समय विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

जन-जागरूकता की ओर बढ़ते कदम: 45वें दिन प्रखंड स्तर पर विशेष आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद के अध्यक्ष निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर जिले भर में चल रहे नब्बे दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत 45वें दिन प्रखंड स्तर पर विभिन्न तरह के जागरूकता अभियान चलाए गए, इसी कड़ी में मंगलवार को टुंडी, तोपचांची, बलियापुर, राजगंज में डालसा के पीएल भी द्वारा जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया।

अधिकार मित्र पंकज कुमार वर्मा ,श्याम कुमार झा, पूनम हेंब्रम ,फूलचांद महतो,भोलानाथ धीवर के द्वारा निरसा प्रखंड के देबियाना पंचायत के गोपालगंज गांव के धीवर टोला मे विधिक जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीणों को नालसा द्वारा तथा झालसा द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं ,जागृति योजना ,संवाद योजना, वीर परिवार योजना ,आशा योजना ,साथी योजना,डोन योजना, जिला विधिक सेवा अधिकार धनबाद के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई वहीं ,दिव्यांग प्रमाण पत्र के संबंध में , स्पॉन्सरशिप से मिलने वाले लाभ , असाध्य रोग में सिविल सर्जन कार्यालय से रकम की प्रावधान के बारे मे, सड़क दुर्घटना के संबंध में हिट एंड रन मे मिलने वाले मुआवजे की जानकारी दी गई। तथा विधिक सहायता केंद्र ,निशुल्क अधिवक्ता के बारे में ,लोक अदालत तथा नेशनल लोक अदालत के बारे में, प्रखंड कार्यालय में चल रहे जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई, किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या हो रही हो तो अविलंब 15100 नंबर पर फोन कर सहायता प्राप्त की जा सकती है . अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वरिष्ठ जन अधिकार, सशक्तिकरण और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए 'नालसा (वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी सेवाएं) योजना, 2016' संचालित की जा रही है। इसके साथ ही, व्यापक जागरूकता के लिए नालसा जागृति योजना के माध्यम से जमीनी स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है योजना के तहत मुख्य प्रावधान और अधिकार:मुफ्त विधिक सहायता: 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को बिना किसी आय सीमा के मुफ्त वकील, कानूनी सलाह और परामर्श प्रदान किया जाता है।माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम: इसके तहत बच्चों या उत्तराधिकारियों द्वारा उपेक्षा किए जाने पर भरण-पोषण का दावा करने के लिए कानूनी सहायता दी जाती है।पेंशन और बुनियादी सुविधाएं: बीपीएल (इढछ) श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था पेंशन, मुफ्त राशन और उचित मूल्य की दुकानों पर प्राथमिकता दी जाती है।सुलभ न्याय और प्राथमिकता: अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और अदालतों में वरिष्ठ नागरिकों के विवाद और घरेलू उपेक्षा) के बारे में शिक्षित किया जाता है।

ढुलू महतो मामले में अदालत ने दिया आरोपियों को हाजिर होने का आदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःकन्हाई चौहान पर जानलेवा हमला करने के मामले की सुनवाई मंगलवार को एमपी एमएलए न्यायालय के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अर्पिता नारायण की अदालत में हु-ई।अदालत में सुनवाई के दौरान भाजपा सांसद ढुलू महतो और बाघमारा विधायक शरद महतो हाजिर नहीं थे। हालाकि वे लोग जमानत पर है। अदालत ने शेष आरोपियों को हाजिर होने का निर्देश दिया है। सांसद ढुलू महतो के अधिवक्ता ललन किशोर प्रसाद व नीरज कुमार बिशियार ने अनुपस्थित दोनों आरोपियों की ओर से प्रतिनिधित्व आवेदन दायर किया। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 10 जुलाई 2026 निर्धारित कर दी है। प्राथमिकी कन्हाई चौहान के लिखित शिकायत पर बरोड़ा थाना कांड संख्या 21/ 2021 दिनांक 16, अप्रैल 2021 को दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के मुताबिक 16 अप्रैल 2021 की संध्या 6 : 15 बजे वह अपनी गाड़ी स्कॉर्पियो से धनबाद से अपने निवास स्थान लौट रहा था . झगड़ाही प्रिंस वॉशिंग एंड रिपेयरिंग के सामने जैसे ही उसकी गाड़ी धीमी हुई तो अजय महतो,शरद महतो उर्फ शत्रुघ्न महतो,कृष्णा रविदास, बलराम चौबे और अन्य दो व्यक्ति अजय महतो वहां पहले से घात लगाए बैठे थे। अजय महतो ने चिल्लाते हुए कहा कि विधायक ढुल्लू महतो का आदेश है कि इन सभी को जान से मार दो।यह कहते हुए लगभग 6-7 बम गाड़ी पर फेंक दिया उन लोगों को मरा हुआ समझकर वे लोग पैशन प्रो मोटरसाइकिल एवं दो पल्सर बाइक से सवार होकर भाग निकले उसके गाड़ी के आगे सीट पर बैठा मनोज चौहान बम लगने से बुरी तरह घायल हो गया। कारू यादव,किरण महतो, संतोष चौहान, कुंदन चौहान, प्रताप सिंह ,पारस शर्मा भी कन्हाई के साथ गाड़ी में बैठे हुए थे।कन्हाई ने आरोप लगाया कि षड्यंत्र के तहत उन लोगों की हत्या ढुल्लू महतो बाघमारा विधायक द्वारा रची गई थी जिसमें वे लोग बाल बाल बच गए।पुलिस ने घटनास्थल से बम बनाने में उपयोग किया गया सुतली एवं लोहे का पतला तार तथा जर्दा का डब्बा बरामद किया था तथा सभी आरोपियों के खिलाफ 6 अगस्त 2025 को आरोप पत्र दाखिल किया था पुलिस के आरोप पत्र के आधार पर अदालत ने 21 अगस्त 2025 को आरोपी अजय महतो,शरद महतो उर्फ शत्रुघ्न महतो ,कृष्णा रविदास बलराम चौबे तथा ढुल्लू महतो के खिलाफ धारा 147, 148, 149, 324, 341, 427, 120 तथा 307 भा द वि तथा 3 एवं 4 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत संज्ञान लेकर अभियुक्तों की उपस्थिति के लिए नोटिस जारी किया था।

आंगनबाड़ी भवन निर्माण का विधायक राज सिन्हा ने किया शिलान्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डीएमएफटी (जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट) मद से लोयाबाद 06 नंबर एवं पुटकी 10 नंबर में आँगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण कार्य का धनबाद विधायक राज सिन्हा ने शिलान्यास किया। विधायक राज सिन्हा के पहुँचने पर स्थानीय लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।इस अवसर पर विधायक ने कहा कि दोनों आँगनबाड़ी केंद्र क्षेत्र के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होंगे। गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना के निर्माण से बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण एवं देखभाल से संबंधित सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास एवं जनकल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता निरंतर जारी है। जनसुविधाओं के विस्तार तथा विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए हम सदैव संकल्पित हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है।

10-06-2026 T.P. Page 4_Layout 1 10-06-2026 07:10 Page 1

संक्षिप्त खबरें

सामाजिक क्षेत्र के पेशेवरों के लिए नेतृत्व विकास प्रोग्राम में प्रवेश शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची: अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने वर्ष 2027 के लिए नेतृत्व विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्राम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। 11 माह का यह पार्ट-टाइम प्रोग्राम सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत मध्य और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे अपने कार्य अनुभव को और प्रभावी नेतृत्व क्षमता के साथ जोड़ सकें। प्रोग्राम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 अक्तूबर 2026 है, जबकि कक्षाएं जनवरी 2027 के पहले सप्ताह से शुरू होंगी। इस प्रोग्राम की खासियत यह है कि प्रतिभागी अपनी नौकरी या सामाजिक कार्य जारी रखते हुए भी इसमें अध्ययन कर सकते हैं। प्रोग्राम के तहत विकास संबंधी मुद्दों, संगठनात्मक संस्कृति, नेतृत्व कौशल, वित्तीय प्रबंधन, संवाद क्षमता और आंकड़ों के विश्लेषण जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। विश्वविद्यालय की स्कूल ऑफ डेवलपमेंट की निदेशक अरिमा मिश्रा ने कहा कि यह प्रोग्राम सामाजिक क्षेत्र में काम कर रहे पेशेवरों को व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने और बेहतर नेतृत्व क्षमता हासिल करने का अवसर देता है। विश्वविद्यालय के अनुसार यह प्रोग्राम समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और विकास से जुड़े क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित होगा।

आरपीएफ ने 13 वर्षीय बालिका को सुरक्षित बचाया, चाइल्डलाइन को सौंपा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः आरपीएफ ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित चाइल्डलाइन रांची के सुपुर्द किया है। जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 12817 झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में एक 13 वर्षीय बालिका संदिग्ध परिस्थितियों में अकेली यात्रा करते हुए मिली। पूछताछ में उसने अपना नाम गंगे टोपनो, पिता जाउनी बरला तथा निवासी ग्राम बरका कुरा, थाना लापुंग, जिला रांची बताया. बालिका ने जवानों को बताया कि वह अपने परिजनों को बिना सूचना दिए दिल्ली जाने के उद्देश्य से घर से निकली थी। हालांकि, वह अपनी यात्रा और गंतव्य के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दी ट्रेन से उसे बोकारो में उतारा गया और वापसी के दौरान बालिका को सुरक्षित रूप से रांची लाया गया। वहीं उसकी देखभाल, काउंसलिंग और आगे की वैधानिक प्रक्रिया के लिए चाइल्डलाइन रांची को सौंप दिया गया।इस अभियान में उप निरीक्षक डीके मीणा, रामकृष्ण, पिंकी कच्छप एवं अनुपमा कांजीलाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भूटान में टेंडर हार्ट के आद्विक ने जीते गोल्ड और सिल्वर मेडल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :टेंडर हार्ट स्कूल के कक्षा द्वितीय के छात्र आद्विक उरांव ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और देश का नाम रौशन किया है। आद्विक ने 6 एवं 7 जून को भूटान की राजधानी थिम्पू में आयोजित साउथ एशियन लाठी स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीता।दक्षिण एशिया के सात देशों के प्रतिभागियों के बीच आद्विक ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। उन्होंने मिनी सब जूनियर ग्रुप-1 लाठी प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल तथा सब जूनियर ग्रुप लाठी युद्ध प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता।स्कूल के चेयरमैन सुधीर तिवारी ने आद्विक की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे टेंडर हार्ट परिवार के लिए गर्व का विषय है।उन्होंने कहा कि विद्यालय में उपलब्ध बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाओं के कारण छात्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार सफलता हासिल कर रहे हैं। विद्यालय परिवार ने आद्विक को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हटिया स्टेशन से लोहरदगा की लापता किशोरी बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : हटिया रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच अभियान के दौरान आरपीएफ ने एक किशोरी को बरामद कर चाइल्डलाइन रांची के सुपुर्द किया। जानकारी के अनुसार फुट ओवरब्रिज पर गश्त के दौरान आरपीएफ जवानों ने एक किशोरी को संदिग्ध अवस्था में घूमते देखा। पूछताछ में उसने अपना नाम अमिका कुमारी (उम्र 16 वर्ष), निवासी ग्राम बकसी, थाना कैरो, जिला लोहरदगा बताया।अमिका ने स्वीकार किया कि वह बिना अपने परिजनों को सूचना दिये घर से निकल आयी है। मामले की सूचना तत्काल चाइल्डलाइन रांची को दी गयी।चाइल्डलाइन के प्रतिनिधियों के आरपीएफ पोस्ट पहुंच कर आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की।इसके बाद अमिका को उन्हें सौंप दिया गया। इस दौरान सहायक उपनिरीक्षक अरुण कुमार, महिला आरक्षी रेनू और महिला आरक्षी राखी कुमारी उपस्थित थीं।

पिस्का स्टेशन पर चला मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान, 332 मामलों में हुई कार्रवाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची रेल मंडल द्वारा मंगलवार को पिस्का रेलवे स्टेशन पर विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच सह जागरूकता अभियान चलाया गया। रेलवे मजिस्ट्रेट विजय कुमार यादव एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक के पर्यवेक्षण में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाना, रेल राजस्व की सुरक्षा करना तथा यात्रियों को रेल नियमों के प्रति जागरूक बनाना था। अभियान के दौरान मुख्य वाणिज्य निरीक्षकों, टिकट जांच कर्मचारियों, आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम ने विभिन्न ट्रेनों में सघन जांच की। जांच के क्रम में बिना टिकट यात्रा कर रहे 224 यात्रियों को पकड़ा गया, जबकि 108 बिना बुक किये गये सामान (अनबुक्ड लगेज) के मामले भी सामने आये। इस प्रकार कुल 332 मामलों में रेलवे नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला गया। अभियान के माध्यम से यात्रियों को वैध टिकट लेकर यात्रा करने तथा रेलवे नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए सीएमडी का निर्देश, मॉनसून पूर्व मेंटेनेंस अनिवार्य रूप से करायें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी के श्रीनिवास ने कहा है कि राज्य के प्रत्येक हिस्से में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना विभाग की प्राथमिकता है।उन्होंने मॉनसून में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए पुख्ता व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि मानसून पूर्व मेंटनेंस कार्य अनिवार्य रूप से कराया जाना अत्यंत आवश्यक है।सीएमडी के निर्देश पर जेबीवीएनएल के निदेशक प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने सभी कार्यपालक अभियंता व सहायक अभियंताओं को पत्र भेजकर मॉनसून पूर्व मरम्मति कार्य अगले 10 दिनों के अन्दर पूर्ण करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। प्रत्येक सबस्टेशन में लगे पावर ट्रांसफरमरों एवं अन्य उपकरणों के अर्थिंग की जांच करा लिया जाये।अगर किसी सबस्टेशन के उपकरणों में लगे कि अर्थिंग को ठीक करने की आवश्यकता है तो, इसे दुरूस्त करा लिया जाये।प्रत्येक 33 केवी/11 केवी एवं एलटी फीडर की पेट्रोलिंग करा लिया जाये अगर किसी भी स्थान पर पेड़ के टहनियों के तार में सटने की संभावना है, तो छंटाई कार्य अविलंब कराया जाए।

टहनियों के छंटाई का कार्य प्लान बनाकर किया जाय तथा इस कार्य हेतु शटडाउन की सूचना लोकल समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाये, ताकि आमजनों को जानकारी हो सके।

फीडर के पेट्रोलिंग के दौरान अगर तारों के झुलने की जानकारी प्राप्त होती है तो बीच में अतिरिक्त पोल लगा कर तारों को सुव्यवस्थित किया जाये।फीडर मेंटेनेंस में उपयोग आनेवाले समानों यथा इंसुलेटर, ब्रेकेट इत्यादि पर्याप्त मात्रा में भंडार से निर्गत करा लिए जायें, ताकि आकस्मिक स्थिति में इसे उपयोग में लाया जा सके।मेंटेनेंस हेतु 33 केवी फीडर का शटडाउन विद्युत कार्यपालक अभियंता एवं 11 केवी फीडर का शटडाउन सहायक विद्युत अभियंता के द्वारा लिया जायेगा।विद्युत कर्मियों (लाईन मैन) द्वारा समुचित सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित कराते हुए फीडर मेंटेनेंस का कार्य कराये जाये।

सैनिकों पर दुर्व्यवहार का आरोप, आंदोलन तेज करेंगे ग्रामीण रांची एयरपोर्ट क्षेत्र में सेना-ग्रामीण विवाद गहराया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर मंगलवार को रांची एयरपोर्ट के आसपास के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में स्थानीय सैनिक छावनी के जवानों पर अत्याचार और दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया।बैठक में ग्रामीणों और पीड़ितों ने आरोप लगाया कि सोमवार की शाम लगभग छह बजे सैनिक छावनी के करीब 10 जवान एयरपोर्ट स्थित रैयती जमीन पर पहुंचे और हुंडरू गांव निवासी सुधन साहू के चाय ठेले में तोड़फोड़ की।विरोध करने पर उनके साथ दुर्व्यवहार और अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि हस्तक्षेप करने पहुंचे प्रकाश टोप्पो एवं अन्य लोगों को भी धमकी दी गयी।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले हुंडरू गांव में पेयजल के लिए रैयती भूमि पर करायी जा रही बोरिंग का कार्य भी सैनिकों ने बंद करा दिया था।इन घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है. लोगों ने कहा कि सेना और ग्रामीणों के बीच चल रहे जमीन विवाद का स्थायी समाधान होने तक आंदोलन को और व्यापक बनाया जायेगा। बैठक में सुरेश गोप, प्रकाश टोप्पो, पार्षद सुनीता तिग्गा, पूर्व पार्षद पुष्पा तिर्की, डॉ कीर्ति सिंह मुंडा, अजीत उरांव आदि थे।

रांची मंडल में अंतरराष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस मना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस मनाया गया।इस अवसर पर सुरक्षा जागरूकता अभियान भी चलाया। इस वर्ष का संदेश था आज सतर्क रहें, कल सुरक्षित रहें। इस अवसर पर लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या एमएच-27 और एमएच-33 पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सड़क उपयोगकताओं के साथ संवादात्मक सत्र किये गये तथा लगभग 500 जागरूकता पर्चों का वितरण किया गया। लोगों को रेलवे फाटक पार करते समय बरती जाने वाली सावधानियों, सुरक्षा नियमों और ह्यक्या करें, क्या न करें॥ संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गयी।रेलवे की नागरिक सुरक्षा टीम ने भी आम जनता से सीधे संवाद कर सुरक्षित व्यवहार अपनाने का संदेश दिया।अधिकारियों ने कहा कि थोड़ी सी सतर्कता बड़ी दुर्घटनाओं को रोक सकती है और रेल सुरक्षा में जनभागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बिरसा समाधि स्थल पहुंचे विधायक जयराम महतो, दी श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस के अवसर पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम कुमार महतो ने समाधि स्थल पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री महतो ने कहा कि भगवान बिरसा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में जल, जंगल, जमीन और अपनी संस्कृति व अस्मिता की रक्षा के लिए जो ऐतिहासिक उलगुलान किया था, वह आज भी हर झारखंडी के लिए प्रेरणास्रोत है। भगवान बिरसा का उलगुलान केवल अंग्रेजों के खिलाफ नहीं था, बल्कि वह हर उस शोषक व्यवस्था के खिलाफ था जो यहां के मूलवासियों और आदिवासियों को उनके अधिकारों से बेदखल करना चाहती थी।आज भी झारखंड में अपने अधिकारों, खतियान और पहचान की लड़ाई अधूरी है।भगवान बिरसा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए हमें उनके विचारों को धरातल पर उतारना होगा।उन्होंने राज्य के युवाओं से अपील किया कि वे अपनी वैचारिक और राजनीतिक चेतना को मजबूत करें ताकि राज्य के संसाधनों की लूट को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय नीति, नियोजन नीति और खतियान आधारित अधिकारों के लिए जेएलकेएम का संघर्ष लगातार जारी रहेगा। क्योंकि यही भगवान बिरसा मुंडा और राज्य के अन्य वीर शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संजय कुमार महतो, पार्वती देवी, शिल्पा महतो, संतोष महतो, राजू महतो, मार्शल महतो, सूरज नारायण, अमित महतो, विराट महतो, भोला महतो, जीतेंद्र महतो, हिमांशु महतो, दीपक महतो सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस को अपने गिरेबाँ में झांकने की जरूरत, खरीद फरोख्त का रहा है इतिहास:आदित्य साहू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी किसी भी तरह के खरीद फरोख्त की राजनीति में विश्वास नहीं रखती है। भाजपा के विधायक स्व विवेक से राज्यसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने मंगलवार को रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि 16 विधायकों वाली पार्टी राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार देकर खुद हॉर्स ट्रेडिंग को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस द्वारा भाजपा पर लगाए गए गंभीर आरोपों पर जवाब देते हुए आदित्य साहू ने कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि राज्यसभा में कांग्रेस के उम्मीदवार ने कितने दिन झारखंड

में कितना समय व्यतीत किया है। आदित्य साहू ने कहा कि कांग्रेस को राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार के रूप में एक भी स्थानीय कार्यकर्ता नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए जहां-जहां कांग्रेस या फिर उसके सहयोग से सरकार चल रही हैं वहां वहां कांग्रेस पूरे सिस्टम को दीमक की तरह चाट गई है। उन्होंने कहा कि झारखंड में भी कांग्रेस राज्य को गलत दिशा में ले जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कभी भी जोड़-तोड़ और खरीद फरोख्त की राजनीति में विश्वास नहीं रखती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी वह पार्टी है जब अटल बिहारी वाजपेई ने सरकार से त्यागपत्र दे दिया था लेकिन एक वोट के लिए जोड़ तोड़ और खरीद फरोख्त से साफ इनकार कर दिया था। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि कांग्रेस के आचरण से देश की जनता पूरी तरह से वाकिफ है। झारखंड में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव के सिलसिले में कांग्रेस को अपने ही विधायकों पर विश्वास नहीं है। जानकारी के मुताबिक हवाई जहाज से वे अपने ही विधायकों को दूसरे राज्य में ले जाने की तैयारी में है।

पिठोरिया थाना में रिम्स 2 के लिए प्रशासन ने मांगा सकारात्मक सहयोग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः प्रस्तावित रिम्स-2 परियोजना को लेकर मंगलवार को पिठोरिया थाना परिसर में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। डीएसपी अमर कुमार पांडे और इंस्पेक्टर असीत कुमार मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में थाना क्षेत्र की बारह पंचायतों के मुखिया और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए।बैठक में हंदूर, मालसरिंग, चंदवे, पिठोरिया, राड़हा, बाढ़ू, काटमकुली, इंचपीडड़ी, ऊपर कोनकी, कोकदोरो और सत कनादु पंचायत के

मुखिया ने हिस्सा लिया। प्रशासन ने रिम्स-2 के महत्व और क्षेत्र के विकास पर इसके सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी। मुखियाओं ने परियोजना से प्रभावित रैयतों और विस्थापित परिवारों के हितों की सुरक्षा की मांग जोर-शोर से उठाई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रभावित लोगों को नौकरी में प्राथमिकता, अस्पताल परिसर में दुकानों का आवंटन और उचित मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि विस्थापित परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से सरकार तक पहुंचाया जाए, ताकि विकास के साथ अधिकारों की भी रक्षा हो। डीएसपी अमर कुमार पांडे ने कहा कि सरकार की विकास योजनाओं को आगे बढ़ाना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि कोई भी समस्या या मांग प्रशासन के समक्ष रखें, नियमानुसार समाधान किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से विकास कार्यों में बाधा न डालने और रिम्स-2 निर्माण को शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ने देने की अपील की। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि परियोजना से जुड़ी सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन होगा और स्थानीय लोगों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

34 माह से इपीएफ की राशि जमा नहीं कर रहा एचइसी, कार्रवाई की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः एचइसी ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रबंधन पर कर्मचारियों के भविष्य निधि (इपीएफ) अंशदान को जमा नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, रांची से तत्काल हस्तक्षेप करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम शंकर पासवान ने कहा है कि एचइसी प्रबंधन पिछले 34 महीनों से कर्मचारियों के वेतन से पीएफ की राशि काट रहा है, लेकिन उसे इपीएफओ में जमा नहीं कर रहा है।इस संबंध में इपीएफओ द्वारा पूर्व में कई नोटिस जारी किये जा चुके हैं, लेकिन प्रबंधन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।एसोसिएशन ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 का पीएफ लेजर भी कर्मचारियों को उपलब्ध नहीं कराया गया है। एसोसिएशन ने तत्काल रिकवरी प्रक्रिया शुरू करने, बकाया राशि वसूलने तथा दंडात्मक ब्याज एवं क्षतिपूर्ति लगाने की मांग की है। इसके अलावा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन चलाने की भी मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि हजारों कर्मचारियों और उनके परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा इस मामले से जुड़ी हुई है।

बंद पेट्रोल पंप को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों की संपत्ति चोरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : कोडरमा थाना क्षेत्र के चिगलावर स्थित एक पेट्रोल पंप में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने पेट्रोल पंप के कार्यालय का शटर तोड़कर नगदी सहित कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।पेट्रोल पंप संचालक गोविंद पासवान ने बताया कि ईंधन उपलब्ध नहीं होने के कारण पेट्रोल पंप पिछले दो-तीन दिनों से बंद था। मंगलवार सुबह उनके पिता दर्शन पासवान टहलते हुए पेट्रोल पंप पहुंचे तो देखा कि कार्यालय का शटर खुला हुआ है और ताला टूटा पड़ा है। अंदर जाकर देखने पर सारा सामान बिखरा मिला। इसके बाद उन्होंने तुरंत गोविंद पासवान को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही गोविंद पासवान पेट्रोल पंप पहुंचे और जांच करने पर पाया कि कार्यालय से 55 इंच की एलईडी टीवी, पेट्रोल पंप संचालन में उपयोग होने वाला यूपीएस, छह बैटरियां तथा जनरेटर में लगी दो बैटरियां चोरी हो चुकी हैं। इसके अलावा चोरों ने परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों और उनके तारों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया तथा सीसीटीवी का डीवीआर भी अपने साथ ले गए।

संचालक के अनुसार चोरी की इस घटना में करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना कोडरमा थाना प्रभारी को दे दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।इधर जिले में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से लोगों में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्ती बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक थाना में इस संबंध में कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया।

पुलिस अधीक्षक पहुंचे कुडू, सुनी आमजनों की समस्याओं से हुए अवगत

कहा थाना प्रभारी आपसी जमीन विवाद में अनावश्यक नही करें दखलअंदाजी, नहीं तो होंगें निलंबित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : लोहरदगा जिले के कुडू थाना परिसर में मंगलवार को लोहरदगा पुलिस के द्धारा जनता दरबार का आयोजन किया गया।जनता दरबार में मुख्य रूप से पहुंचे लोहरदगा पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए।मौके पर दो मामलों का आन द स्पॉट निपटारा किया गया। जनता दरबार में जमीन से जुड़े 14 मामले आए।जिसे एसपी ने सीओ व थाना प्रभारी को एक सप्ताह के भीतर निपटारा करते हुए रिपोर्ट देने का निर्देश दिए। थाना क्षेत्र के जोंजरो नामनगर निवासी प्यारी टोप्पो ने एसपी को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बना रहें हैं लेकिन गोतिया लोग मारपीट कर रहें हैं व मकान बनाने नहीं दें रहें हैं। एसपी ने थाना प्रभारी को निर्देश दिया कि दो दिनों के भीतर समस्या का समाधान करें।कुडू निवासी ब्रजकिशोर प्रसाद ने अपनी जमीन पर कुछ ग्रामीणों के द्धारा अवैध कब्जा करने व जान से मारने की धमकी देने की बात बताई, एसपी ने सीओ व थाना प्रभारी को तत्काल मामले की जांच व समाधान का निर्देश दिया।जिलिंग गांव निवासी चनु महतो ने अपने ही पुत्र पर जमीन पर कब्जा करने व जहर देकर जान मारने का प्रयास करने व सुरक्षा की मांग किया इसपर एक सन्हा दर्ज करने का निर्देश एसपी ने थाना प्रभारी को दिया।जिलिंग गांव निवासी अमृता कुमारी ने आवेदन देकर बताया कि उसका पति प्रहलाद प्रजापति पहली बीबी के रहते दुसरी शादी कर लिया है दो छोटे-छोटे बच्चे हैं इसका लालन पालन करने में काफी परेशानी हो रही है साथ ही पति खर्च भी नहीं दें रहा है।एसपी ने थाना प्रभारी को निर्देश दिया कि मामले की जांच करते हुए दोषी पर कार्रवाई करते हुए महिला को इंसाफ दिलाएं।टाटी गांव के दो ग्रामीणों सोनू गोप व अखिलेश मांझी ने एसपी को बताया कि दोनों के उपर शांति भंग करने का मामला दर्ज किया गया हैं इससे सेना बहाली में शामिल होने के लिए आचरण प्रमाण पत्र नहीं बन रहा है जबकि दोनों विवाद से दुर रहते हैं, एसपी ने जांच करने का निर्देश दिया।डुडुमुडू गांव में चार माह पहले हुई दो पक्षों की झड़प के बाद बेगुनाह के उपर दर्ज मामले की जांच करने की मांग किया।लाल गुड्डू नाथ शाहदेव ने पीसीआर का फेरा बढ़ाने, थाना में आने वाले मामले की जांच के बाद मामला दर्ज करने व आवेदन पर रिसिविंग देने की मांग किया।पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि थाना स्तर पर जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आमजनों को उनकी समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय जाने से रोकना व गांव, प्रखंड में ही समाधान करना है। जिले के सभी थाना क्षेत्र में जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा व आमजनों की समस्यायों से प्रशासन अवगत होगा।प्रशासन का काम आमजनों को उनके हक व अधिकार के लिए जागरूक करना व आपसी विवाद का आन द स्पॉट निपटारा करना है।जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि आपसी जमीन विवाद में अनावश्यक दखलंदाजी नहीं करें। जमीन से संबंधित मामले को अंचल कार्यालय में भेजें। अनावश्यक जमीन विवाद में दखलंदाजी करने वालें थाना प्रभारी को निलंबित किया जायेगा।थाना में अपनी समस्या लेकर आने वाले आमजनों के साथ पुलिस दोस्ताना व्यवहार करें व मामले पर त्वरित कार्रवाई करें। आवेदन मिलने पर रिसिविंग दे ताकि आमजनों का विश्वास पुलिस के प्रति बढ़े। पुलिस आमजनों को सुलभ इंसाफ दिलाने के लिए हैं।मौके पर कई अन्य ने अपनी समस्याओं को लिखित रूप से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। मौके पर एसडीपीओ श्रदा केरकेट्टा इंस्पेक्टर चंद्रशेखर आजाद सीओ संतोष उरांव थाना प्रभारी अजीत कुमार, मुरारी कुमार सीआई सोहन सिंह मुंडा कर्मचारी विकास सोनी, अनुप उरांव, सीताराम उरांव, राहुल कुमार सिंह प्रखंड प्रमुख मुन्नी देवी उपप्रमुख ऐनुल अंसारी मुखिया ललिता उरांव, सुषमा देवी, मुमताज पवरियां सहित अन्य शामिल थे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का स्वर्णिम अध्याय

पटना, (एजेंसी) :भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्ष 2014 से प्रारंभ हुई यह विकास यात्रा आज भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली ऐतिहासिक यात्रा बन चुकी है। बीते 12 वर्षों में देश ने सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं बल्कि जनसेवा का साधन बनाया है। उनकी दूरदर्शी सोच, निर्णायक नेतृत्व और राष्ट्र प्रथम की भावना ने भारत को नई पहचान प्रदान की है। आज भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ राष्ट्र है, जो विश्व के सामने मजबूती से अपनी बात रखता है और वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

श्री सरावगी ने कहा कि मोदी सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत को आधार बनाकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों गरीब परिवारों को पक्का घर मिला, उज्ज्वला योजना के माध्यम से माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति मिली, आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की तथा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने करोड़ों परिवारों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि

जनधन खाते, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, डिजिटल भुगतान और आधार आधारित व्यवस्था ने भ्रष्टाचार एवं बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करते हुए पारदर्शी शासन की नई मिसाल स्थापित की है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, पीएम गति शक्ति, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना और डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। विदेशी निवेश के नए रिकॉर्ड स्थापित हुए हैं, बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है तथा युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। भारत आज नवाचार, तकनीक और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनकर उभरा है।

श्री सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। आज भारत की आवाज वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली ढंग से सुनी जाती है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत की बढ़ती भूमिका और वैश्विक चुनौतियों पर भारत के नेतृत्व ने देश की प्रतिष्ठा को नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं बल्कि एक विश्वसनीय साझेदार, मजबूत लोकतंत्र और उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में देख रही है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया। सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया गया, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला तथा आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई। सशस्त्र बलों को आधुनिक संसाधनों से सशक्त बनाकर देश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

श्री सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को विकास की नई गति मिली है। राष्ट्रीय राजमार्गों, पुलों, रेलवे परियोजनाओं, हवाई अड्डों, शिक्षा संस्थानों, स्वास्थ्य सुविधाओं और डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने बिहार को विशेष प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने बिहार को विकास के नए पथ पर अग्रसर किया है। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और निवेश7 के क्षेत्र में हुए कार्यों ने राज्य के विकास को नई दिशा दी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है।

संक्षिप्त खबरें

रेल फाटक पर दिया गया सुरक्षा का संदेश, लोगों को दिए गए सुरक्षित आवागमन के टिप्स

रेलवे कर्मियों ने फाटक पार करने के नियमों की दी जानकारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : रेलवे सुरक्षा एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहाड़पुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेल फाटक पर मंगलवार को स्टेशन प्रबंधक विनोद कुमार के नेतृत्व में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान राहगीरों, वाहन चालकों एवं आम लोगों को रेल फाटक पार करते समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। साथ ही इसके प्रति उन्हें जागरूक किया गया। स्टेशन प्रबंधक विनोद कुमार ने बताया कि बंद फाटक के नीचे से निकलना या जल्दबाजी में पटरी पार करना गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। लोगों को रेल संकेतों का पालन करने, फाटक खुलने तक धैर्य रखने तथा सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन करने के लिए प्रेरित किया गया। वाहन चालकों को रेल पटरियों के समीप पहुंचने पर गति नियंत्रित रखने, दोनों ओर देखकर आगे बढ़ने तथा रेलवे संकेतकों और चेतावनी बोर्डों का पालन करने, रेल लाइन पार करते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी गई। अभियान में उपस्थित लोगों ने भी रेल सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। साथ ही कहा गया कि सुरक्षा नियमों का पालन कर कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूरे, गर्भवती महिलाओं ने मनाया उत्सव

फतेहपुर सीएचसी में विशेष जांच शिविर का आयोजन, सुरक्षित मातृत्व का दिया गया संदेश

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर गर्भवती महिलाओं ने केक काटकर अभियान की सफलता का जश्न मनाया तथा सुरक्षित मातृत्व का संदेश दिया। कार्यक्रम के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार निराला के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 9 जून 2016 को शुरू किए गए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दस वर्ष पूरे होने पर सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष जांच शिविर लगाए गए हैं। ₹सुरक्षित गर्भावस्था, स्वस्थ मां एवं सशक्त भारत₹ थीम पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रथम तिमाही की गर्भवती महिलाओं की विशेष स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही उन्हें फोलिक एसिड की गोलियां उपलब्ध कराई गईं, ताकि गर्भावस्था के शुरूआती चरण में संभावित स्वास्थ्य जोखिमों की पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ. नूमन कुमारी, डॉ. सुनील कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई चिकित्सक एवं कर्मी उपस्थित रहे।

खराब कानून-व्यवस्था व भ्रष्टाचार के खिलाफ राजद का प्रखंड मुख्यालय पर धरना

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : राष्ट्रीय जनता दल ने मंगलवार को फतेहपुर और टनकुप्पा प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित कर जनसमस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और नेताओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, खराब कानून-व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली तथा भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। नेताओं ने आरोप लगाया कि आम जनता विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है, जबकि सरकार समाधान देने में विफल साबित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते हुए जनहित के मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई तथा समस्याओं के समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई। फतेहपुर के धरना में पूर्व प्रमुख अरुण दादपुरी, बिंदी यादव, दरोगी यादव, नागेन्द्र यादव, मिथलेश यादव, ऊषा देवी, बेबी देवी और टनकुप्पा के धरना में उमेश दास, कपिल यादव, दिलीप यादव, रवि चंद्रवंशी, दिलीप चौधरी, संजय प्रजापत सहित अन्य शामिल थे।

इंटरनेशनल लेवल क्रॉसिंग अवेयरनेस डे चलाया गया

चला जनजागरण अभियान

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत मानपुर जंक्शन स्थित समपार फाटक संख्या 67 एसपीएल एवं बागेश्वरी गुमटी एलसी-71ए/टी सहित मंडल के कई समपार फाटकों पर सोमवार को इंटरनेशनल लेवल क्रॉसिंग अवेयरनेस डे मनाया गया। इस अवसर पर लोगो के बीच विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सड़क उपयोगकताओं को रेलवे फाटक पार करते समय बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों और संरक्षा नियमों की जानकारी देना था।

इस दौरान रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को

समपार फाटक से सुरक्षित आवागमन के बारे में विस्तार से बताया। लोगों को यह भी समझाया गया कि फाटक बंद रहने की स्थिति में धैर्य बनाए रखें तथा किसी भी परिस्थिति में नियमों का उल्लंघन कर रेलवे ट्रैक पार करने का प्रयास न करें।

रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा नियमों के पालन का किया आह्वान

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि रेलवे फाटक पर थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए सभी नागरिकों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए रेलवे फाटक खुलने का इंतजार करना चाहिए। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे अपनी सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें।इस अवसर पर संरक्षा सलाहकार ओम प्रकाश मानव, स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार, आरपीएफ सब इंस्पेक्टर आर.के. सिंह, स्टेशन मास्टर प्रेम प्रकाश प्रेम, स्टेशन मास्टर मनीष कुमार, प्वाइंट्समैन के.एन. श्रीवास्तव, गेटमैन विजय कुमार, गेटमैन सुभाष कुमार तथा आरपीएफ हेड कांस्टेबल मंगल चरण चौधरी सहित रेलवे के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोगों ने सुरक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त कर जागरूकता अभियान की सराहना की।

सुंदर यादव हत्याकांड, ऋषिकेश से मुठभेड़ के बाद दो मोस्ट वांटेड आरोपी गिरफ्तार

सीतामढ़ी, (एजेंसी) : बिहार के चर्चित सुंदर यादव हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे दो मोस्ट वांटेड आरोपी वसीम और अकरम को उत्तराखंड के ऋषिकेश से गिरफ्तार कर लिया गया है। बिहार पुलिस और उत्तराखंड की दून पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान हुई मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, 18 मई 2026 को नानपुर थाना क्षेत्र के महुआगाछी गांव में सीएसपी संचालक और पूर्व मुखिया के भतीजे सुंदर यादव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। जांच के दौरान वसीम और अकरम का नाम मुख्य आरोपियों के रूप में सामने आया था, जिसके बाद से दोनों फरार चल रहे थे। पुलिस लगातार दोनों की तलाश में छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि दोनों आरोपी उत्तराखंड के ऋषिकेश में छिपे हुए हैं। सूचना के आधार पर सीतामढ़ी पुलिस ने उत्तराखंड पुलिस से संपर्क किया और संयुक्त अभियान चलाया। पुलिस टीम जब आरोपियों तक पहुंची तो दोनों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए भागने का प्रयास किया। इस दौरान हुई मुठभेड़ में दोनों अपराधियों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। मामले को लेकर डीएसपी सुनीता कुमारी ने कहा कि सुंदर यादव हत्याकांड की जांच के लिए एसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने उत्तराखंड पुलिस के सहयोग से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान अपराधियों की ओर से फायरिंग की गई थी, जिसके जवाब में पुलिस कार्रवाई में दोनों घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वसीम और अकरम से गहन पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान सुंदर यादव हत्याकांड के अलावा अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण खुलासे भी हो सकते हैं।

सीवान स्टेशन पर दो शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार, 60 हजार रुपये के तीन मोबाइल बरामद

सीवान, (एजेंसी) : रेल यात्रियों के कीमती सामानों की चोरी करने वाले दो शातिर अपराधियों को जीआरपी सीवान, सीपीडीएस टीम और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपितों के पास से चोरी के तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त वाराणसी के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव के पर्यवेक्षण में मंगलवार को सीवान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर गश्त और अपराध नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक महिला यात्री आसिया बेगम का वीवो कंपनी का मोबाइल छीनकर भाग रहे दो युवकों को पुलिस टीम ने पीछा कर दबोच लिया।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विकास महतो (22 वर्ष), निवासी बाबूपुर, थाना राजमहल, जिला साहेबगंज (झारखंड) तथा चंदन राय (20 वर्ष), निवासी शिवा पहाड़, थाना तीन पहाड़, जिला साहेबगंज (झारखंड) के रूप में हुई। जांच के दौरान उनके कब्जे से वीवो कंपनी के दो मोबाइल फोन और टेक्नो स्पार्क कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।

कोडरमा-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में 12 बोतल विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया- कोडरमा रेलखंड पर मंगलवार को रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन सतर्क के तहत कार्रवाई करते हुए कोडरमा-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से 12 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। वह नवादा जिला क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है। बताया गया है कि आरपीएफ पोस्ट कोडरमा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के निर्देशन में आरपीएफ ओपी गुरपा की टीम ने सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में ट्रेन संख्या 13233 अप में विशेष जांच की जा रही थी। जांच के दौरान गझंडी और

दिलवा स्टेशन के बीच ट्रेन के साधारण कोच में एक संदिग्ध युवक को पिट्ठू बैग के साथ पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके बैग से 375-375 एमएल की कुल 12 सीलबंद रॉयल स्टेज व्हिस्की की बोतलें बरामद हुईं। इसके बाद युवक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि शराब के साथ पकड़ा गया युवक का नाम बाल्मीकि कुमार है जो नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के पुनौल गांव का रहने वाला है। पूछताछ में उसने झारखंड से शराब लाकर बिहार में अधिक कीमत पर बेचने की बात स्वीकार की। बरामद शराब की कुल मात्रा 4.5 लीटर एवं कीमत लगभग 4,900 रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार तस्कर और जब्त शराब को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है। सर्च अभियान में प्रधान आरक्षी हरिमोहन मीणा, आरक्षी मिंकु कुमार आदि शामिल थे।

गया जिले में राष्ट्रीय राजमार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाने को लेकर प्रशासन का चला सघन अभियान

जिला परिवहन विभाग व पुलिस टीम की मौजूदगी में बोधगया से बेलागंज,आमस तक हटाई गई अवैध दुकानें

गया जी:(एजेंसी) : बिहार सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की संयुक्त टीम द्वारा गया जिले में राष्ट्रीय राजमार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को बोधगया दोमुहान व टॉल के समीप, आमस टॉल के समीप,मगध विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के अलावा बेलागंज के रामपुर मोड़ के पास एनएच किनारे अवैध रूप से लगे सैकड़ो दुकानों को हटाया गया। अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा कब्जा नहीं करने की चेतावनी भी दी गई।

अतिक्रमण हटाने का नेतृत्व कर रहे डीटीओ राजेश कुमार ने बताया कि गया जिले के राष्ट्रीय राजमार्गों और बायपास सड़कों को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जे यातायात बाधित करने के साथ-साथ दुर्घटनाओं का भी बड़ा कारण बन रहे हैं। इसी को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया है।डोभी-हंटरगंज, गया- औरंगाबाद, गया-नवादा सहित कई सड़कों पर होगी कार्रवाई।प्रशासन के अनुसार डोभी-हंटरगंज रोड, गया-टेकारी-औरंगाबाद रोड, आमस रोड, बाराचट्टी- डोभी-शेरघाटी रोड, गया-जहानाबाद तथा मगध विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इन मार्गों के किनारे अवैध रूप से बने ढाबे, दुकानें और अन्य अतिक्रमण को चिन्हित कर संबंधित लोगों को पहले ही अल्टीमेटम दिया जा चुका है।अभियान में एनएचएआई के परियोजना निदेशक और उनकी टीम के साथ जिला परिवहन विभाग, स्थानीय पुलिस प्रशासन तथा संबंधित अंचलाधिकारी संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि निर्धारित समय के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के खिलाफ बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त किए जाएंगे।प्रशासन का मानना है कि राष्ट्रीय राजमार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, जाम की समस्या कम होगी और सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। साथ ही हाईवे पर आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा।

संपादकीय

1948 के राजनीति की झलक 2026 में

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जो अभिनेता से नेता बने थलापति विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में नई शुरूआत की है। 1948 से 1952 में जिस तरह की राजनीति देश में हो रही थी, उसकी यादों को ताजा कर रही है। तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। तमिलनाडु सरकार में कांग्रेस पार्टी का एक मंत्री भी है। तमिलनाडु में कांग्रेस का कोई विशेष वर्चस्व नहीं है। केंद्रीय राजनीति में कांग्रेस एक महत्वपूर्ण भूमिका में है। आज भी कांग्रेस पार्टी का सीधा मुकाबला 300 लोकसभा सीटों पर भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के साथ होता है। वर्तमान की राजनीति में जिस तरह से राजनीतिक दलों के बीच में वैमनष्य देखने को मिलता है, जिस तरह की असुरक्षा की भावना देखने को मिलती है। सत्ता में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता मिले इसके लिए राजनीतिक दल हर संभव प्रयास करते हैं इसके विपरीत तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने राज्यसभा की दो सीटें सहयोगी दल कांग्रेस को देने का फैसला किया है। उनका मानना है, उनकी पार्टी केंद्र की राजनीति में कांग्रेस के साथ सहयोग करके तमिलनाडु के हितों का संरक्षण ज्यादा अच्छे तरीके से कर सकती है। दो सांसद उनकी पार्टी के राज्यसभा में चले भी गए, तो वह तमिलनाडु का पक्ष सशक्त तरीके से नहीं रख सकते हैं जितने सशक्त तरीके से कांग्रेस उनकी लड़ाई केंद्र में लोकसभा और राज्यसभा में लड़ सकती है। गठबंधन की राजनीति में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का यह निर्णय, स्वतंत्रता के पश्चात अनूठा है। जब संविधान सभा और केंद्रीय मंत्रिमंडल का निर्माण हो रहा था, उस समय कांग्रेस पार्टी ने सभी समुदाय और सभी राजनीतिक दलों के लोगों को संविधान सभा और मंत्रिमंडल में स्थान देकर मजबूत संविधान और मजबूत सरकार बनाने का काम किया था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल में अपने विरोधी और अन्य विचारधारा के लोगों को भी शामिल करके स्वतंत्रता के पश्चात समन्वय की राजनीति का मार्ग अपनाया था। वही मार्ग 2026 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा अपनाया गया है। वर्तमान में एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन के रूप में देश के अधिकांश राजनीतिक दल गठबंधन की राजनीति में शामिल हैं। क्षेत्रीय दल एक-एक सीट के लिए अपनी मजबूत दावेदारी रखते हैं। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु की राजनीति में मुख्यमंत्री थलापति विजय ने कांग्रेस को राज्यसभा की रिक्त दो सीटें देकर गठबंधन की राजनीति को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। राज्य की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का बहुत बड़ा योगदान होता है। क्षेत्रीय राजनीति में भाषा संस्कृति तथा आम जनता के साथ उनका जुड़ाव गहरा होता है।

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।
:चाणक्य

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
:धीरूभाई अंबानी

नेत्रदान: अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला ह्यविश्व नेत्रदान दिवसह्ल हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है।

सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है।

नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से ह्यलायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदाह्ल तथा ह्यलायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1ह्ल ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान ह्यसाइट फर्स्टह्ल दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक कार्यक्रम माना जाता है। इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दृष्टि परीक्षण तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता प्रदान की गई है। ह्यलायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदाह्ल भी इसी भावना के साथ निरंतर समाज में यह संदेश प्रसारित कर रहा है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके हम किसी अंधेरी जिंदगी में स्थायी उजाला भर सकते हैं। यह सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और मानवता का जीवंत उदाहरण है।

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं, तो इससे बड़ा पुण्य, इससे बड़ी सेवा और इससे बड़ी मानवता की साधना शायद कोई नहीं हो सकती। आइए, हम संकल्प लें कि जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी हमारी आंखें किसी और के सपनों को देखने का माध्यम बनें। हमारा नेत्रदान किसी अंधेरी जिंदगी में सूर्योदय बनकर उभरे, यही ह्यविश्व नेत्रदान दिवसह्ल की सार्थकता है, यही सच्चा धर्म है और यही मानवता का उज्ज्वल भविष्य है।

ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दो टूक- बेगुनाह जिंदगियों से खेलता भ्रष्ट तंत्र और दिल्ली के अंतहीन अग्निकांड

पिछले दिनों दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि हमारे यहां हादसे अचानक नहीं होते बल्कि उन्हें पैदा किया जाता है। 21 लोगों की दर्दनाक मौत, दर्जनों घायल, धुएं में घुटती सांसें, तीसरी मंजिल से जान बचाने के लिए छलांग लगाते लोग और बेसमेंट के बाहर बंद पड़ा निकास द्वार, यह केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्ट व्यवस्था और नियमों की खुलेआम हत्या का भयावह परिणाम था। दुखद यह है कि यह कोई नई कहानी नहीं है। दिल्ली बार-बार अग्निकांडों में जलती है, लोग बार-बार मरते हैं, जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। मालवीय नगर के हादसे में जो शुरूआती तथ्य सामने आए, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाले थे। जिस भवन में ह्यलेमन ग्रीन रेस्टोरेंटह्ल और ह्यमिकासा होम्सह्ल संचालित हो रहे थे, वहां कथित रूप से छह कमरों की अनुमति के बावजूद 25 से अधिक कमरे बनाए गए थे। भवन से निकलने का केवल एक रास्ता था। बेसमेंट में लोगों की मौजूदगी के बावजूद बाहरी गेट पर ताला लगा था। आग लगने के बाद धुआं इतनी तेजी से फैला कि लोग बाहर निकल ही नहीं सके। कुछ लोगों ने तीसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश की। यह दृश्य 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड की भयावह यादों को फिर से ताजा कर गया, जहां बाहर निकलने के रास्ते बंद होने के कारण 59 लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली में अग्निकांडों का इतिहास बताता है कि हर बड़ी त्रासदी के पीछे कहानी लगभग एक जैसी है, अवैध निर्माण, सुरक्षा मानकों की अनदेखी, भ्रष्टाचार, फर्जी प्रमाणपत्र, बंद निकास द्वार और प्रशासनिक लापरवाही। 13 जून 1997 को हुए उपहार सिनेमा अग्निकांड में 59 लोगों की मौत हुई थी, जो दिल्ली का अब तक का सबसे भयावह अग्निकांड माना जाता है। आग लगने के बाद सिनेमा हॉल में धुआं भर गया और निकास मार्ग अवरुद्ध होने के कारण लोग बाहर नहीं निकल सके। पूरे देश को झकझोर देने वाले इस हादसे के बाद सुरक्षा नियमों को सख्त बनाने की बातें तो बहुत हुई लेकिन वास्तविकता यही है कि उनसे कोई स्थायी सबक नहीं लिया गया। 31 मई 1999 को लाल कुआं स्थित केमिकल गोदाम में लगी आग में 57 लोगों की मौत हो गई। उसके बाद भी अवैध गोदामों और रासायनिक इकाइयों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया गया। 8 दिसंबर 2019 को अनाज मंडी की अवैध फैक्टरी में लगी आग में 43 लोगों की मौत हुई। उस समय भी खुलासा हुआ था कि इमारत में निकास के पर्याप्त रास्ते नहीं थे, सीढ़ियां सामान से भरी थी और खिड़कियों पर लोहे की ग्रिलें लगी थी। जहरीले धुएं ने मजदूरों को सोते हुए ही मौत की नींद सुला दिया।

12 फरवरी 2019 को करोल बाग के अर्पित पैलेस होटल में लगी आग में 17 लोगों की जान गई। जांच में सामने आया कि होटल में अवैध निर्माण हुआ था और सुरक्षा उपकरण पर्याप्त नहीं थे। 2022 में मुंडका की व्यावसायिक इमारत में लगी आग में 27 लोगों की मौत हुई। वहां भी केवल एक निकास मार्ग था और सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की गई थी। उसी वर्ष गोकुलपुरी की झुग्गी बस्ती में आग से 7 लोगों की जान चली गई। 2024 में अलीपुर की अवैध पेंट फैक्टरी में लगी आग में 11 लोगों की मौत हुई। 2026 में पालम और विवेक विहार में हुए अग्निकांडों में नौ-नौ लोगों की जान गई। अब मालवीय नगर की त्रासदी ने मृतकों की सूची में 21 और नाम जोड़ दिए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी 2026 से 27 मई 2026 तक आग की घटनाओं में 45 लोगों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद विवेक विहार और मालवीय नगर की घटनाओं को जोड़ दें तो यह संख्या 67 से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं बल्कि उन परिवारों की बबार्दी का दस्तावेज है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसी इमारतें बन कैसे जाती हैं? कैसे आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां चलने लगती हैं? कैसे छह कमरों की अनुमति वाले भवन में 25 कमरे बन जाते हैं? कैसे फायर एनओसी के बिना होटल, रेस्टोरेंट और फैक्ट्रियां वर्षों तक संचालित होती रहती हैं? कैसे चार मंजिल की अनुमति वाले क्षेत्र में छह-सात मंजिलें खड़ी हो जाती हैं? इन सवालों का जवाब किसी जांच आयोग की मोटी रिपोर्ट में नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की उस जड़ में छिपा है, जिसने पूरे सिस्टम को खोखला कर दिया है। यदि कोई अवैध इमारत बनती है तो वह एक दिन में नहीं बनती। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें उठती हैं, मंजिलें तैयार होती हैं, बिजली के कनेक्शन लगते हैं, पानी के कनेक्शन मिलते हैं और फिर व्यापार शुरू होता है। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक सरकारी विभागों की आंखों के सामने सब कुछ होता है। इसलिए यह कहना कि प्रशासन को जानकारी नहीं थी, वास्तविकता से आंखें मूंदना होगा। सच यह है कि ऐसी अधिकांश इमारतें प्रशासन और कारोबारियों की मिलीभगत का परिणाम होती हैं।

हर हादसे के बाद राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं। मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक घटनास्थल पर पहुंचते हैं। जांच के आदेश दिए जाते हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है। लेकिन क्या कभी किसी बड़े अधिकारी को कठोर दंड मिला? क्या कभी किसी विभागीय प्रमुख को जवाबदेह ठहराया गया? क्या कभी ऐसी कार्रवाई हुई कि भविष्य में कोई अधिकारी नियमों की अनदेखी करने का साहस न कर सके? दुर्भाग्य से जवाब है ह्यनहींह्ल। मालवीय नगर का हादसा भी केवल एक होटल या रेस्टोरेंट की कहानी नहीं है। यह उस पूरे शहरी विकास मॉडल पर प्रश्नचिह्न है, जहां मुनाफा मानव जीवन से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दिल्ली में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जहां फायर सेफ्टी के उपकरण या तो हैं ही नहीं या केवल दिखावे के लिए लगाए गए हैं। अनेक भवनों में इमरजेंसी एग्जिट कागजों में मौजूद हैं लेकिन वास्तविकता में बंद पड़े हैं। कई जगहों पर बेसमेंट का उपयोग पार्किंग की बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। संकरी गलियों में बहुमंजिला भवन खड़े हैं, जहां दमकल की गाड़ियां तक नहीं पहुंच सकती।

अब समय आ गया है कि केवल जांच और मुआवजे की राजनीति से आगे बढ़ा जाए। दिल्ली में सभी होटलों, गेस्ट हाउसों, रेस्टोरेंटों, अस्पतालों, फैक्ट्रियों और बहुमंजिला इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। फायर एनओसी की व्यवस्था डिजिटल और पारदर्शी बने।

योगेश कुमार गोयल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7538

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7537 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

दैनिक पंचांग

10 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	मीन में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05.39 बजे से
कर्क	07.52 बजे से
सिंह	10.08 बजे से
कन्या	12.20 बजे से
तुला	14.31 बजे से
वृश्चिक	16.46 ब.से
धनु	19.02 बजे से
मकर	21.07 बजे से
कुंभ	22.53 बजे से
मीन	00.26 बजे से
मेष	01.57 बजे से
वृष	03.37 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 161 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 09.22 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 06.30 बजे तदनन्तर सौभाग्य 04.03 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 13.53 बजे तदनन्तर विष्टि 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 00' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872736 **जूलियन दिन** 2461201.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सिस्टम की आग में जलते मजदूर, प्रगति का स्वांग कब तक?

जब रोजी-रोटी कमाने निकले हाथ आग की लपटों में खो जाएं, तब हादसे सिर्फ दुर्घटनाएं नहीं, व्यवस्था की नाकामी का आईना बन जाते हैं। विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में 8 जून 2026 की वह शाम भी ऐसा ही दर्दनाक सच बनकर उभरी। स्टील मेल्टिंग शॉप-1 में लेडल फटने के बाद 1600 डिग्री तापमान की पिघली धातु मजदूरों पर बरसी तो केवल आठ श्रमिकों की जान नहीं गई, बल्कि सुरक्षित और मानवीय औद्योगिक विकास का दावा भी सवालों के घेरे में आ गया। आग ने उनके शरीर झुलसाए, लेकिन उससे कहीं गहरा घाव हमारी व्यवस्था की संवेदनहीनता पर लगा। विकास की चकाचौंध के पीछे छिपा यह अंधेरा पूछ रहा है—क्या इस देश में एक मजदूर की कीमत अब लोहे से भी कम रह गई है?हर बड़ी त्रासदी से पहले लापरवाही की कई अनदेखी परतें होती हैं। यह हादसा भी अचानक नहीं हुआ। जर्जर मशीनें, सुरक्षा में चूक, अधूरा रखरखाव, कमजोर प्रशिक्षण और ठेका श्रमिकों के प्रति उपेक्षा ने मिलकर वह हालात बनाए, जिनमें आठ जिंदगियां बुझ गईं। विडंबना यह है कि खतरे के संकेत पहले ही मिल चुके थे। कुछ सप्ताह पूर्व इसी संयंत्र में कार्बन मोनोऑक्साइड रिसाव से चार श्रमिक अस्पताल पहुंचे थे। चेतावनी साफ थी, लेकिन व्यवस्था ने उसे नजरअंदाज कर दिया। सच यह है कि हादसे विस्फोट के दिन नहीं होते; वे उसी दिन शुरू हो जाते हैं, जब चेतावनियों को फाइलों में दफना दिया जाता है।

यह सिर्फ विजाग (विशाखापत्तनम) स्टील प्लांट का हादसा नहीं, बल्कि देश की औद्योगिक व्यवस्था का कड़वा सच है। मैन्युफैक्चरिंग, खनन और इस्पात क्षेत्रों में हर वर्ष सैकड़ों श्रमिक मौत के मुंह में समा जाते हैं। जो आंकड़े दिखते हैं, वे अधूरी तस्वीर हैं; असंगठित क्षेत्र में तो कई मौतें रिकॉर्ड तक नहीं बन पातीं। ठेकेदारी व्यवस्था ने श्रमिक को अधिकारों वाले इंसान से ज्यादा एक इस्तेमाल की वस्तु बना दिया है। न पर्याप्त सुरक्षा, न समुचित प्रशिक्षण, न संकट से बचाव की ठोस व्यवस्था। जब एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक संयंत्र में सुरक्षा का यह हाल है, तो उन निजी इकाइयों की स्थिति का अनुमान सहज लगाया जा सकता है, जहां मुनाफा अक्सर इंसानी जिंदगी पर भारी पड़ जाता है।

इस त्रासदी का सबसे असहज सवाल जवाबदेही का है। हमारे यहां हर बड़े हादसे के बाद वही घिसा-पिटा क्रम दोहराया जाता है—शोक, मुआवजा, जांच समिति और कुछ दिनों तक मीडिया की हलचल। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। पर क्या कभी सचमुच जिम्मेदारों की पहचान होती है? क्या दोष केवल मशीन का था या महज तकनीकी विफलता का? बिल्कुल नहीं। इस हादसे की जिम्मेदारी प्रबंधन, सुरक्षा तंत्र, निरीक्षण एजेंसियों, श्रम विभाग, सरकारों और उस राजनीतिक संस्कृति पर भी है, जो जवाबदेही से अधिक संरक्षण को महत्व देती है। यदि निरीक्षण निष्पक्ष होते, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती और भ्रष्टाचार की परतें इतनी मोटी न होतीं, तो शायद यह त्रासदी टाली जा सकती थी। दुर्भाग्य से हमारे यहां हादसों की जांच होती है, व्यवस्था की नहीं।

एक ओर भारत तेज आर्थिक विकास, निवेश, विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के नए कीर्तिमान गढ़ने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर श्रमिकों की सुरक्षा लगातार सवालों के घेरे में है। किसी भी विकास की असली कसौटी आंकड़े नहीं, बल्कि सबसे कमजोर व्यक्ति की सुरक्षा होती है। यदि उत्पादन बढ़ाने की कीमत श्रमिकों के प्राण बन जाए, तो उसे प्रगति नहीं, संस्थागत अमानवीयता कहना अधिक उचित होगा। किसी राष्ट्र की महानता उसकी गगनचुंबी इमारतों से नहीं, उन हाथों की सुरक्षा से तय होती है जो उन्हें खड़ा करते हैं। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां अक्सर उत्पादन के लक्ष्य इंसानी जीवन से अधिक मूल्यवान मान लिए जाते हैं।

इस संकट की जड़ें मशीनों में नहीं, मानसिकता में छिपी हैं। यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक विफलता है। भ्रष्टाचार, लागत घटाने की होड़, प्रशासनिक उदासीनता और राजनीतिक संरक्षण ने ऐसी व्यवस्था गढ़ दी है, जहां मजदूर को इंसान नहीं, बदले जा सकने वाले संसाधन की तरह देखा जाता है। एक श्रमिक की जगह दूसरा मिल सकता है, लेकिन किसी परिवार का सहारा, बच्चों के सपने और माता-पिता की उम्मीदें नहीं लौट सकतीं। सबसे खतरनाक बात यह है कि व्यवस्था अक्सर ऐसी त्रासदियों को सामान्य मानकर आगे बढ़ जाती है। जब किसी वर्ग की पीड़ा साधारण लगने लगे, तब हादसे सिर्फ कारखानों में नहीं, समाज की संवेदनाओं में भी होने लगते हैं।

हर नई त्रासदी यह साबित कर रही है कि चेतावनियों को अब और अनसुना नहीं किया जा सकता। औद्योगिक सुरक्षा को औपचारिकता नहीं, अनिवार्य जिम्मेदारी बनाना होगा। प्रत्येक इकाई में स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट हों और लापरवाही से हुई मौतों पर जिम्मेदार प्रबंधकों, अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ केवल विभागीय कार्रवाई नहीं, बल्कि आपराधिक मुकदमे चलें। ठेका श्रम व्यवस्था पर सख्त नियंत्रण, श्रमिकों को प्रभावी प्रशिक्षण, आधुनिक सुरक्षा उपकरण और आपात स्थितियों से निपटने की पूरी तैयारी सुनिश्चित की जाए। श्रम कानून कागजों से निकलकर कारखानों तक पहुंचें। सबसे महत्वपूर्ण, सुरक्षा को खर्च नहीं, मानव जीवन की रक्षा में किया गया सबसे आवश्यक निवेश माना जाए।

किसी राष्ट्र की महानता उसकी फैक्ट्रियों की ऊंचाई से नहीं, बल्कि अपने श्रमिकों के जीवन के प्रति उसकी संवेदनशीलता से मापी जाती है। भारत को महाशक्ति बनने का स्वप्न अवश्य देखना चाहिए, लेकिन उसकी नींव श्रमिकों की चिताओं पर नहीं रखी जा सकती। विजाग की यह त्रासदी केवल आठ परिवारों का शोक नहीं, पूरे देश के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यदि विकास की दौड़ में मानवीय गरिमा और सुरक्षा को यूं ही नजरअंदाज किया गया, तो कल केवल स्थान, संयंत्र और आंकड़े बदलेंगे, लेकिन श्मशानों की आग और परिवारों का विलाप वही रहेगा। तब इतिहास दर्ज करेगा कि भारत स्टील की भट्टियों में नहीं, अपनी ही संवेदनहीनता और लापरवाही में पिघल रहा था।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर का बड़ा फैसला : भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवत: चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुईं। इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आईं। इसमें कहा गया कि सिंगापुर भारतीयों से 'भर गया' है। सिंगापुर सरकार स्वदेशीवाद और विदेशियों के प्रति घृणा का दृढ़ता से विरोध करती है। सरकार सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों को गंभीरता से लेती है और दृढ़ता से कार्रवाई करेगी।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका के प्रतिबंधों की चीन ने की आलोचना, कहा- बदमाशी बंद करे वाशिंगटन

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने क्यूबा के खिलाफ अपनी नाकेबंदी और प्रतिबंधों को और कड़ा कर दिया है तथा सार्वजनिक रूप से क्यूबा के नेताओं को निशाना बनाया है। प्रवक्ता ने कहा, यह एक बार फिर अमेरिकी बदमाशी, उत्पीड़न और दबाव की नीति को उजागर करता है। चीन इसका दृढ़ता से विरोध करता है। उन्होंने कहा कि क्यूबा में स्थिरता बनाए रखना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षा है। क्यूबा को अस्थिर करने की कोशिशें आखिरकार विफल होंगी। चीन ने अमेरिका से क्यूबा पर लगाई गई नाकेबंदी और हर प्रकार के दबाव को तुरंत खत्म करने की अपील की। चीनी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि चीन हमेशा क्यूबा की राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और बाहरी दखल के विरोध में उसके साथ खड़ा रहेगा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में क्यूबा के राष्ट्रपति डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी, सौतेले बेटे तथा क्यूबा के पूर्व नेता राउल कास्त्रो के बेटे और पोते को प्रतिबंध सूची में शामिल किया। मिगुएल डियाज-कैनेल ने इन प्रतिबंधों को क्यूबा के खिलाफ नाकेबंदी को और मजबूत करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि क्यूबा साम्राज्यवादी आक्रमण का डटकर मुकाबला करेगा। वहीं, क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कदम को 'आर्थिक आक्रमण' करार देते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका इसे बहाना बनाकर क्यूबा के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की कोशिश कर सकता है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

लंदन /वाशिंगटन, एजेंसी। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सीन इंस्टीट्यूट से जुड़े वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है। अब तक चिकनगुनिया मुख्यत: एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता था, जो गर्म व आर्द्र क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है। 2005-06 में वायरस में आनुवंशिक बदलाव की पहचान हुई जिसके बाद वायरस एडीज एल्बोपिक्टस के जरिए भी फैलने लगा। यह मच्छर ठंडे मौसम में भी जीवित रह सकता है। चिकनगुनिया एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, थकान और शरीर पर चकते शामिल हैं।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के एआई सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

क्या बोले श्रीराम कृष्णन अपने इस्तीफे पर : श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका : श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

ट्रंप प्रशासन ने एआई पर क्यों बढ़ाया फोकस : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा। यही वजह है कि अब वह नए संस्थानों के जरिए इस दिशा में योगदान देना चाहते हैं।

कौन हैं श्रीराम कृष्णन, भारत से क्या लिंक : श्रीराम कृष्णन भारती मूल के ही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्हें एआई पॉलिसी के मुख्य रणनीतिकार के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एआई पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्य कर रहे थे। श्रीराम का जन्म चेन्नई में हुआ था और उन्होंने चेन्नई के ही एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने ट्विटर, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट, स्नैप जैसी वैश्विक टेक कंपनियों के लिए काम किया। वह लंबे समय तक कैपिटल फर्म एंड्रीसन होरोविट्स के साथ भी जुड़े रहे। 2024 में डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में उनकी नियुक्ति का ऐलान किया। ट्रंप के करीबी लॉरा लूमर ने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप इमीग्रेशन के सुधार के नियम लागू कर रहे थे और दूसरी तरफ भारतीय मूल के शख्स को इतना बड़ा पद दे रहे थे। विवादों के बीच भी कृष्णन ने जमकर काम किया और एआई नीति के एक प्रभावशाली फ्रेमवर्क तैयार किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कर चुके हैं तारीफ : एआई रेग्युलेशन से जुड़े सरकारी मसौदे पर काम करने वाले वह प्रमुख सलाहकार थे। वाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने उनकी कई बार तारीफ की और कहा कि वह वाइट हाउस के अनमोल रत्नों में शामिल हैं। श्रीराम कृष्णन ने अमेरिकी संसद के साथ एआई नीति पर काम करने की नींव रखी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनकी कई बार तारीफ कर चुके हैं। वहीं कृष्णन ट्रंप की तारीफ करते हुए कहते हैं कि बिना उनके नेतृत्व के एआई की दौड़ में अमेरिका अग्रणी ना हो पाता। रिपोर्ट्स में कहा जाता था कि कृष्णन अपनी टीम में भी काफी लोकप्रिय थे।

पाकिस्तान में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी संगठन पर प्रतिबंध के बाद बवाल, दर्जनों कार्यकर्ता गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थानीय संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद प्रशासन ने शनिवार को उसके दर्जनों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को संगठन को गैरकानूनी घोषित किया था। प्रशासन द्वारा जुलाई में आम चुनाव कराने की घोषणा के बीच जेएएसी ने अपनी मांगों को लेकर 9 जून को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसके बाद सरकार ने संगठन पर प्रतिबंध लगाते हुए उसके कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

बीते साल पीओके में विरोध प्रदर्शनों के पीछे था जेएएसी : पिछले वर्ष जेएएसी और उसके विरोधी समूहों के बीच हुए प्रदर्शनों और जवाबी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी और अनेक घायल हुए थे। संगठन 38 सूत्रीय मांगपत्र को लागू करने की मांग कर रहा था। इनमें सस्ती दरों पर आटा और बिजली उपलब्ध कराना तथा क्षेत्रीय विधानसभा में कश्मीरियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करना शामिल था। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रावलाकोट में गोलीबारी की एक घटना में जेएएसी के एक सदस्य की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि जेएएसी को अवैध घोषित किए जाने के बाद उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन की घोषणा के कारण क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय और मीरपुर इंटरमीडिएट बोर्ड ने 8 जून से शुरू होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। संभावित विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिप्पेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके सामने बोलता था।

उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था। ट्रप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं।

इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने का एक गंभीर आरोप है। इस मामले में बोल्टन 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना देने पर सहमत हुए हैं।

मैरीलैंड के सरकारी वकीलों ने बोल्टन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान की डायरी के पन्ने अपने घर में छिपाकर रखे थे। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 0 से लेकर 60 महीने तक की जेल हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई 26 जून को होने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन एक कट्टरपंथी थे जो केवल युद्ध की भाषा समझते थे।

इस्राइल में लगेगी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा, जानिए क्या बोले इस्राइली राजनयिक

येरूशलम, एजेंसी। भारत और इस्राइल के बीच सांस्कृतिक और कूटनीतिक रिश्तों को नई मजबूती मिलने जा रही है। इस्राइल में जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और स्मारक स्थापित किए जाएंगे, जिसे दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक माना जा रहा है। इस्राइल के कॉन्सुल (राजनयिक) जनरल यानिव रेवाच ने बताया कि यह पहल भारत-इस्राइल संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उन्होंने लेबनान से होने वाले हमलों के खिलाफ इस्राइल की सुरक्षा कार्रवाई का बचाव किया।

दोस्ती और प्रेरणा का प्रतीक होगी प्रतिमा : यानिव रेवाच के कहा कि यह परियोजना केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक गुडविल प्रोजेक्ट है, जो दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भारत और इस्राइल के बीच दोस्ती और प्रेरणा का स्थायी प्रतीक बनेगी। पिछले फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्राइल के दौरे के बाद, हमने तय किया कि हम यहां भारत में एक बड़े प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इस विचार ने असल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर को भी सूचित किया। वह तुरंत मुझसे मिलने के लिए मान गए। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने मुझसे कहा कि वह हमारे खूबसूरत प्रोजेक्ट का समर्थन करने और हमारी हर तरह से मदद करने को तैयार हैं जिसकी हमें जरूरत होगी। ऐतिहासिक जुड़ाव से मिली प्रेरणा इस्राइली राजनयिक ने बताया कि भारत का इतिहास उन्हें बेहद प्रेरणादायक लगा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण की कहानियों में कई समानताएं हैं। इसी सोच के तहत इस सांस्कृतिक परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसमें शिवाजी महाराज की मूर्ति इस्राइल में स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, हम यह भी सोच रहे हैं कि क्या हम शिवाजी की किताब का हिब्रू में ट्रांसलेशन कर सकते हैं, इसका ट्रांसलेशन करें ताकि लोग उनकी स्क्रिप्ट के बारे में जान सकें।

कला और शिक्षा पर भी जोर : इस्राइल प्रशासन इस परियोजना को केवल प्रतिमा तक सीमित नहीं रखना चाहता। योजना के तहत एक श्रेष्ठ कलाकार द्वारा मूर्ति तैयार की जाएगी और इसे इस्राइल के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, शिवाजी महाराज के जीवन और विचारों को समझाने के लिए उनकी पुस्तक का हिब्रू भाषा में अनुवाद करने की भी संभावना पर विचार किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और इस्राइल के बीच रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है। अब यह साझेदारी सांस्कृतिक स्तर पर भी मजबूत होती दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सांस्कृतिक प्रोजेक्ट दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के संबंधों को और मजबूत करेंगे। इस्राइली राजनयिक ने कहा कि लेबनान के साथ उसका कोई सीधा विवाद नहीं है और वह वहां की सरकार और जनता के साथ शांति चाहता है।

पश्चिम एशिया तनाव: अमेरिका-ईरान जंग के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री तीसरी बार पहुंचे तेहरान, शांति वार्ता की कोशिशें जारी

इस्लामाबाद/तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तीसरी बार ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली को लेकर महत्वपूर्ण वार्ताएं कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी का यह पिछले कुछ हफ्तों में ईरान का तीसरा दौरा है। पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। तेहरान पहुंचने पर नकवी का स्वागत ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने किया।

शीर्ष नेताओं से हुई अहम मुलाकातें : यात्रा के दौरान मोहसिन नकवी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंध और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हुई चर्चा : तेहरान रवाना होने से पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इस बैठक में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

क्षेत्रीय संकट और कूटनीतिक कोशिशें : पश्चिम एशिया में तनाव उस समय बढ़ा जब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि अप्रैल में सीजफायर के बाद हालात कुछ हद तक शांत हुए, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। इस बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की कोशिशें तेज कर दी हैं। अप्रैल में पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता की मेजबानी की थी, हालांकि उस दौरान किसी ठोस समझौते पर सहमति नहीं बन सकी थी।

ईरान बार-बार क्यों जा रहे पाकिस्तानी नेता : पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पिछले कुछ दिनों में तीन बार ईरान की राजधानी तेहरान का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है, जिनमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, ईरान का विदेश मंत्रालय अमेरिका की ओर से मिले एक नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान ने ही ईरान तक पहुंचाया है। कहा जा रहा है कि यह पहल पुराने प्रस्तावों से अलग है और इसका मकसद मौजूदा तनाव को कम करना है। इस प्रस्ताव का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच चल रही शत्रुता को खत्म करना और बातचीत के लिए एक नया ढांचा तैयार करना है।

बीच पर बिछा दी गई डॉल्फिन और व्हेल की लाशें, 700 मछलियों की हत्या से लाल हो गया समंदर

कोपेनहेगन , एजेंसी। इंसानों की क्रूरता की ऐसी तस्वीर आपने शायद ही कभी देखी हो। मछलियों को पकड़कर जीवन यापन करना एक सामान्य बात है लेकिन व्हेल और डॉल्फिन जैसी सैकड़ों मछलियों को जिंदा ही चाकू से चीर डालना और फिर उनको तड़फड़ाते देखकर जश्न मनाना बहुत ही दिल दहलाने वाला है। डेनमार्क के फारो द्वीप पर लोग हर साल एक बार इस तरह का क्रूर 'उत्सव' मनाते हैं। इस आयोजन को 'द ग्रिंड' कहा जाता है। इस संहार को देखन के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी पहुंचते हैं। इस बार 'द ग्रिंड' के दौरान लगभग 700 व्हेल और डाल्फिन को नाव से खींचकर किनारे की ओर लाया गया और फिर उथले समंदर में उन्हें चाकुओं से फाड़ डाला गया।

मछलियों की इस तरह की नृशंस हत्या से इतना खून निकला कि समंदर का पानी लाल हो गया। जानकारी के मुताबिक यह आयोजन 27 मई को किया गया था। इसके बाद समंदर के किनारे सैकड़ों मछलियां पड़ी दिखीं। फारो आईलैंड के ग्लोबल मरीन कंजर्वेशन सी शेफर्ड के डायरेक्टर वैलेंटीना क्रास्ट ने कहा कि उन्होंने यूरोपीय सरकारों से इस कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 'द ग्रिंड' वाले दिन कम से कम 402 व्हेल और 300 डाल्फिन को मार डाला गया। पेटा की अध्यक्ष एलिसा एलेन ने कहा कि, ये जलीय जीव दर्द से कराहते हैं और छटपटाते हैं। व्हेल और डाल्फिन जैसी मछलियां अपने परिवार के साथ रहती हैं और उनके पूरे परिवार को ही इस तरह निर्दयता से मार डाला डाता है। ये मछलियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं और ऐसे में उन्हें दर्द का अहसास भी ज्यादा होता है। एक एनीमल राइट ऐक्टिविस्ट ने कहा कि यह नृशंस कार्यक्रम 1000 साल से चला आ रहा है। फारो एक स्वतंत्र राज्य है और यहां के लोग इसे अपनी संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। फारो के प्रशासन का भी कहना है कि इस उत्सव के दौरान पर्यावरण का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। उनका कहना है कि उत्तर अटलांटिक में व्हेल और डाल्फिन की संख्या काफी अच्छी है।

ऐसे में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है। जानकारी के मुताबिक तोर्शावन में 402 पायलट व्हेल और 4 बॉटलनोज डॉल्फिन मारी गई हैं। स्कालाबोटनुर में 168 व्लाइट साइडेड डॉल्फिन और व्हालविक में 132 वाइट साइडेड डॉल्फिन मारी गई हैं। बताया जाता है कि यह परंपरा 1000 साल पुरानी वाइकिंग युग की है। ऐक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह परंपरा आज के युग में जरूरी नहीं है। फारो द्वीप की संसद ने अपने पशु कल्याण कानून में भी बदलाव कर दिया है। डॉल्फिन को सुरक्षा देने वाला कानून भी हटा दिया गया है।

अमेरिका के ओहियो में फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, कई लोगों की मौत

टोलेडो (ओहायो), एजेंसी। अमेरिकी प्रांत ओहियो में एक सामुदायिक उत्सव के दौरान गोलीबारी की घटना में कई लोग मारे गए हैं। यह घटना रविवार दोपहर, टोलेडो में हुई। घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, पुलिस ने बताया कि संदिग्धों की तलाश बड़े पैमाने पर चल रही है। टोलेडो पुलिस को पहले जानकारी मिली थी कि ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में एक व्यक्ति को गोली मारी गई है। लेकिन पुलिस के मुताबिक जब टीम घटनास्थल पर पहुंची तो वहां घायलों की संख्या काफी ज्यादा थी। पुलिस ने बताया कि कई घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि उसने यह जानकारी नहीं कि उनकी हालत कितनी गंभीर है या मरने वालों की संख्या कितनी है।

चश्मदीद की आंखों देखी : घटना के दौरान वहां मौजूद चश्मदीदों ने उस दौरान का हाल बयां किया है। ऐसे ही एक शख्स केविन बेरी हैं। बेरी ने बताया कि मैं बगल में अपने दोस्तों के साथ बैठा लाइव म्यूजिक सुन रहा था। इसी दौरान मैंने गोलियां चलने की आवाज सुनी। तमाम लोग जमीन पर पड़े थे। बेरी के मुताबिक जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो उनसे केवल 50 फीट की दूरी पर बंदूक उछाली जा रही थी। वहीं, फेस्टिवल को देखते हुए वहां तैनात पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गोलीबारी का जवाब दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो : घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि जिम्मेदार लोगों की सक्रिय तलाश जारी है। सिटी काउंसिल सदस्य थेरेसा मॉरिस ने कहाकि शूटिंग में कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहाकि यह त्रासदी वास्तव में दोनों, निवासियों और उन लोगों पर जो हर साल इस त्योहार का आनंद लेने और देखने आते हैं, भारी पड़ रही है। ओहियो के गवर्नर माइक डिवाइन ने बयान में कहाकि मैं आज रात टोलेडो की स्थिति को लेकर गहरी चिंता में हूं। समर फेस्टिवल परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान होने चाहिए ताकि वे बिना हिंसा के डर के साथ समय बिता सकें। इस बीच सोशल मीडिया पर घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें गोलीबारी की आवाज के बीच लोगों को भागते देखा जा सकता है। साथ ही इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी घायलों को मदद पहुंचाने में जुटे हैं।

फेस्टिवल के बीच आखिर कैसे मची अफरा-तफरी : टोलेडो पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार शाम उस समय हुई जब ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। यह दो दिवसीय आयोजन शहर के ऐतिहासिक इलाके में हर साल आयोजित किया जाता है, जिसमें लाइव म्यूजिक, खाने-पीने के स्टॉल, खरीदारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते पूरा इलाका अफरा-तफरी में बदल गया। लोग जमीन पर लेट गए और कई लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग चीखते और दौड़ते दिखाई दिए।

कितने लोग घायल हुए और क्या बोली पुलिस : टोलेडो पुलिस के डिप्टी चीफ जो हेफरनन ने बताया कि कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें दो लोगों की हालत बेहद गंभीर है। पुलिस का मानना है कि कम से कम दो लोग एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

फेस्टिवल में मौजूद केविन बेरी ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ लाइव म्यूजिक सुन रहे थे तभी अचानक कई गोलियों की आवाज आई। उन्होंने कहा कि लोग तुरंत जमीन पर लेट गए। कुछ देर बाद उन्होंने एक बंदूक को पास में गिरते देखा।

10-06-2026 T.P. Page 8_Layout 1 10-06-2026 08:32 Page 1

अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी।

घर पर बनाएं कैफे जैसी होममेड आइस्क्रीम, फैमिली के साथ उठाएं इसका लुत्फ

गर्मियों में आइस्क्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। गर्मी में खुद को फ्रेश रखने के लिए ठंडी, क्रीमी और स्वादिष्ट चीज खाने के क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में हम कुछ न कुछ अपनी डाइट में ऐसा शामिल करते हैं, जिसका स्वाद लेना किसी जादू से कम नहीं होता है। लेकिन रोजाना आर्टिफिशियल फ्लेवर लेना हमारे लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आप अपने घर पर कुछ नया और अच्छा बना सकते हैं।

बता दें कि अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड आइस्क्रीम की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री
कॉफी पाउडर- 1 पैकेट या 2 चम्मच
चीनी- आधा कप
पानी- आधा कप
दूध- 1 कप
क्रीम- आधा कप
चॉकलेट चिप- आधा कप
वैनिला एसेंस- आधा कप
होममेड आइसक्रीम

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार रखें। अब एक बाउल में गुनगुने पानी में कॉफी पाउडर और चीनी डालकर अच्छे से घोल लें।

फिर इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। वहीं दूसरे बाउल में क्रीम, दूध और बाकी का सामान डालकर अच्छे से मिलाएं। आप चाहें तो इसमें वैनिला एसेंस भी मिला सकते हैं।

इसके बाद एक चम्मच की सहायता से सभी चीजों को मिलाएं और फिर दोनों को एक साथ मिक्स कर दें। अब तैयार हुए मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें और ढक्कन लगाकर करीब 6-8 घंटे या फिर पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

वहीं अगर आपको ज्यादा क्रीमी टेक्सचर चाहिए, तो आपको 2-3 घंटे बाद फ्रीजर से मिक्सचर को निकालकर फिर से फेंटें और दोबारा फ्रीज करें।

जब आइस्क्रीम अच्छे से जम जाए तो स्कूप निकालें और फिर ऊपर से थोड़ा सा इंस्टेंट कॉफी पाउडर या चॉकलेट चिप्स डालकर सर्व करें।

होंठों का रंग पड़ने लगा है काला? सुर्ख गुलाबी और मुलायम लिप्स के लिए अपना लें ये 5 आसान तरीके

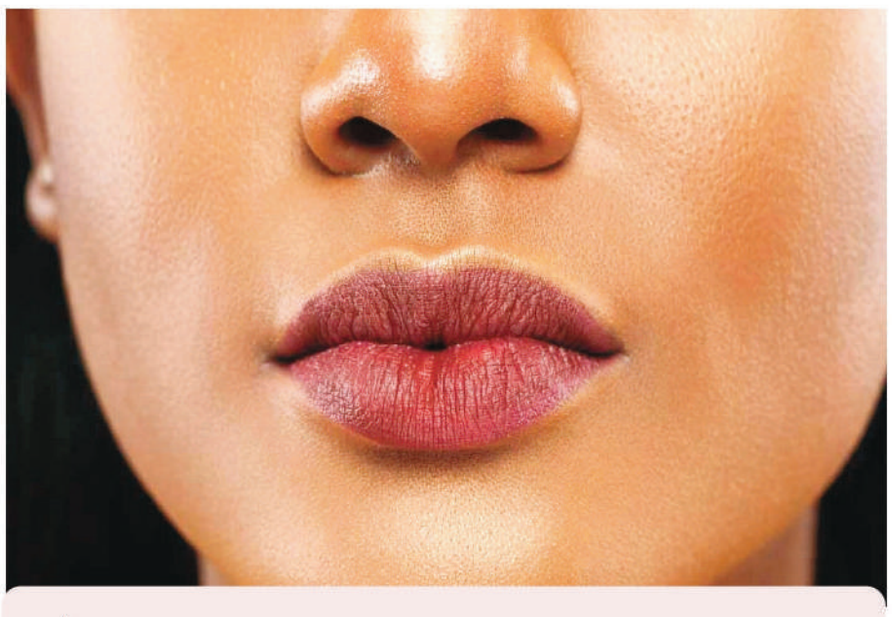

कहते हैं कि होठों की खूबसूरती चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है और काले होंठ चेहरे की खूबसूरती कम कर देते हैं। यदि होंठ गुलाबी और मुलायम हों तो मुस्कान भी अधिक आकर्षक लगती है। लेकिन कई कारणों से होंठों का रंग काला पड़ सकता है, जैसे धूप में ज्यादा रहना, कम पानी पीना, धूम्रपान करना, ज्यादा चाय-कॉफी पीना या खराब लिप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना।

ऐसे कई लोग हैं जो अपने होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्होंने अपने काले होठों पर काफी पैसे खर्च कर दिए हैं और होठों के कालेपन में कोई सुधार नहीं हुआ है तो आइए जानते हैं ऐसे 5 टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप प्राकृतिक गुलाबी होंठ पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद एलिसिन त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। रोजाना होठों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें। यह होठों को मुलायम और गुलाबी बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह होठों को नमी प्रदान करने में भी मदद करता है।

नींबू का रस

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले अपने होठों पर ताजा नींबू का रस लगाएं और सुबह इसे धो लें। यह धीरे-धीरे होठों का कालापन कम कर देता है।

शहद और चीनी

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ मिनट बाद धो लें। यह मृत कोशिकाओं को हटाता है और होंठों को मुलायम बनाता है। इसके साथ ही यह आपके होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने में भी मदद करता है।

चुकंदर का रस

चुकंदर का जूस एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और होठों को गुलाबी रंग देता है। होठों पर ताजा चुकंदर का रस लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें या रात भर के लिए छोड़ दें। इससे आपके होठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग मिलेगा।

हल्दी

हल्दी त्वचा का कालापन कम करने में मदद करती है। थोड़ी सी हल्दी को दूध या शहद में मिलाकर पेस्ट बना लें और होठों पर लगाएं। 5-10 मिनट बाद धो लें। नियमित उपयोग से होठों का रंग हल्का हो सकता है। इसके साथ ही आपके होंठ मुलायम भी हो जाएंगे।

धूम्रपान बिलकुल न करें।

सस्ते लिपस्टिक और लिप बाम का प्रयोग न करें।

बार-बार होठों पर जीभ न लगायें।

घर से बाहर निकलते समय न केवल चेहरे पर बल्कि होठों पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

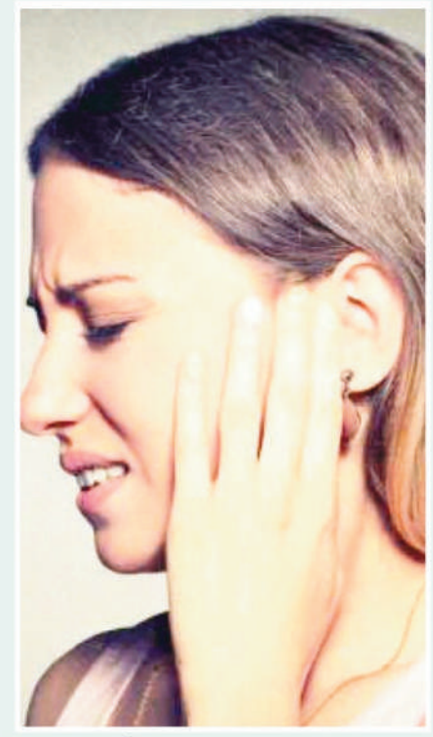

कानों पर आने वाले बालों को कैसे करें साफ?

इन घरेलू उपायों से आसानी से हो जाएंगे क्लीन

कानों के आसपास अनचाहे बाल होना आम बात है, लेकिन ये बाल चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। आप इन अनचाहे बालों को घर पर ही देसी तरीके से हटा सकते हैं।

कानों के आस-पास कई बार अनचाहे बाल हो जाते हैं। पुरुषों में तो इस तरह की समस्याएं सामान्य तौर पर देखने को मिल ही जाती हैं, लेकिन कई बार महिलाओं में भी हार्मोनल बदलाव के कारण कानों पर बाल उगने लगते हैं, जो चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। वैसे तो कानों पर आने वाले बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मौजूद हैं, लेकिन आप इन अनचाहे बालों को आसानी से घरेलू उपाय से भी हटा सकते हैं।

नींबू और शहद का करें उपयोग

कानों पर आए अनचाहे बालों को आप नींबू और शहद की मदद से आप आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कानों के बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 2 बार करें। इससे बाल तो कम होंगे ही, साथ ही साथ हेयर ग्रोथ भी कम हो जाएगा।

बेसन और हल्दी का पैक

कानों पर आए बालों को हटाने के लिए आप बेसन और हल्दी के पैक का उपयोग कर सकते हैं। इसका उपयोग पुराने समय से बालों को हटाने के लिए किया जाता रहा है। इसको बनाने के लिए आप एक चम्मच बेसन, आधा चम्मच हल्दी और थोड़ा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें और इसे कानों पर लगाकर सूखने दें। कुछ समय के बाद इसको हल्के हाथों से रगड़कर हटाएं। इससे बाल कम हो जाएंगे।

घर पर बनाएं वैक्स

बालों को हटाने के लिए आप घर पर ही एक हेयर रिमूवल वैक्स भी तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आप शक्कर, नींबू का रस और पानी को मिलाकर गर्म करें और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे कान के बालों पर लगाएं और एक साफ कपड़े से इसको हटा लें।

बच्चों को हेल्दी और फिट रखने के लिए उनकी डाइट का रखें खास ख्याल, अपनाएं ये टिप्स

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा फिट और हेल्दी रहे ताकि उसको ग्रोथ अच्छे से हो सके. लेकिन बच्चों को हेल्दी रखना किसी टॉस्क से कम नही है. खासतौर से जब बात आती है खानपान की तो बच्चों को हेल्दी खाना अमूमन पसंद नही आता है. हरी सब्जियां और दाल जैसी चीजें जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है बच्चे उनको खाने में मुंह बनाते हैं. अनहेल्दी खाने की चीजों जैसे की जंक फूड और पैकेज्ड फूड की तरफ उनका रूझान ज्यादा रहता है. यह चीजें सही ग्रोथ और शरीर मजबूत बनाने से रोक सकती हैं. ऐसे में बच्चों की खास देखभाल करने की जरूरत होती है, जिसमें डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है.

आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जो आपके बच्चों को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं.

हेल्दी ब्रेकफास्ट

बच्चे के ब्रेकफास्ट में हमेशा हेल्दी चीजों को ही शामिल करें. अमूमन घरों में नाश्ते में ब्रेड-बटर या फिर रेडी टू ईट चीजों का सेवन किया जाता है. जिससे बच्चों से सही से पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप उनके लिए घर में ही हेल्दी चीजें बनाएं. आप उन्हें नाश्ते में इडली, डोसा, उपमा या पोहा उन्हें दे सकते हैं.

घर में बनाएं स्प्रेड

अगर आपके बच्चे को चॉकलेट स्प्रेड, जैम और केचप खाना पसंद है तो इन चीजों को बाजार से खरीदने की बजाय घर पर ही बनाने की कोशिश करें. क्योंकि बाहर मिलने वाली चीजों में प्रिजर्वेटिव होते हैं जो सेहत के लिए अच्छे नहीं पाए जाते.

पैकेज्ड फूड

पैकेज्ड फूड्स चिप्स, कुकीज जैसी चीजों का सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए आप इन चीजों से बच्चों को बचाएं और घर पर बनी चीजों को ही उन्हें खाने के लिए दें.

फल

अपने बच्चे की डाइट में फलों को जरूर शामिल करें. एक दिन में कम से कम उनकी डाइट में 1 सीजनल फ्रूट जरूर शामिल करें.

पैकेज्ड जूस

पैकेज्ड जूस में केवल प्रिजर्वेटिव और चीनी होती है. इनका सेवन करने से बच्चे बीमार भी हो सकते हैं. इसलिए इनकी जगह ताजे फलों का जूस, नींबू पानी, नारियल पानी देना शुरू करें.

हरी सब्जियां

अपने बच्चे की डाइट में सीजनल सब्जियां और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें. अगर वो इनको देखकर मुंह बनाते हैं तो आप क्रिएटिव तरीके से उनकी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करें.